दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 2 ■ अंक : 20

ग्वालियर, शनिवार 15 अक्टूबर 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

पति-पत्नी में से किसी एक के चाहने से नहीं मिलेगा तलाक, जीवनसाथी की सहमति जरूरी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के एक मामले में कहा है कि जब पत्नी चाहती है कि शादी बरकरार रहे तो ऐसे में पति की याचिका पर विवाह को भंग करने के लिए वह अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग नहीं करेगा। कोर्ट ने साफ कहा कि अगर पति-पत्नी में से एक पक्ष शादी खत्म करने को लेकर राजी नहीं है, तो आर्टिकल 142 के तहत तलाक नहीं हो सकता। इतना ही नहीं, कोर्ट ने यह भी कहा कि हमने अभी 'आज शादी कल तलाक' वाले पश्चिमी मानकों को नहीं अपनाया है।

तलाक के लिए दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि भारत में शादी कोई कैजुअल इवेंट नहीं है। हम 'आज शादी और कल तलाक' के पश्चिमी मानकों तक नहीं पहुंचे हैं। आप दोनों काफी शिक्षित हैं और पश्चिमी दृष्टिकोण को अपना सकते हैं मगर जब एक पक्ष अनिच्छुक हो तो विवाह को रद्द करने के लिए आर्टिकल 142 के तहत हम अपनी शक्तियों का प्रयोग नहीं कर सकते। पति की याचिका पर शादी को रद्द करने से इनकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय के कौल और अभय एस ओका की बेंच ने इस कपल को एक निजी मध्यस्थ के पास भेज दिया। कोर्ट ने कहा कि शादी के बाद केवल 40 दिन ही ये दोनों साथ में रहे हैं, इसलिए इस युवा कपल को अपने मतभेदों को दूर करने का गंभीर प्रयास करना चाहिए। अदालत ने पाया कि एक-दूसरे से अलग रहने वाला यह जोड़ा काफी पढ़ा-लिखा है। पति संयुक्त राष्ट्र में रहता है और एक एनजीओ चलाता था, जबकि पत्नी का घर कनाडा में है। कोर्ट में जब पति ने बार-बार पीठ से शादी को रद्द करने की गुहार लगाई तो पत्नी ने कहा कि उसने केवल फेसबुक पर दोस्ती और दोनों परिवारों की एक मुलाकात के बाद इस आदमी से शादी करने के लिए कनाडा में सब कुछ छोड़ दिया। हालांकि, इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि आर्टिकल 142 के तहत शक्तियों का उपयोग केवल तभी किया जा सकता है, जब विवाह के दोनों पक्ष तलाक पर राजी हो जाएं। दोनों पक्षों का अदालत के समक्ष तलाक के लिए सहमत होना अनिवार्य। इसमें एक पक्ष शादी को बरकरार रखने को तैयार है, ऐसे में यह यह विवाह टूट चुका है, ऐसा कहना मुश्किल है।

दुर्घटना से जुड़े मामलों में 'दावे' से ज्यादा 'मुआवजा' दे सकती हैं अदालतें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि सड़क दुर्घटना के मामलों में पीड़ित परिवार द्वारा दावा की गई राशि से अधिक मुआवजा देने के लिए ट्रिब्यूनल/अदालत पर कोई प्रतिबंध नहीं है और एक दुर्घटना में जान गंवाने वाले 12 साल के लड़के के परिवार को 5 लाख रुपए का मुआवजा देने का निर्णय सुनाया। हालांकि, मृतक के परिजनों ने सिर्फ 2 लाख रुपए के मुआवजे का दावा किया था। मुआवजे की राशि को बढ़ाते हुए, जस्टिस संजीव खन्ना और के माहेश्वरी की पीठ ने कहा कि दावा की गई राशि के बावजूद, मुआवजा कानून के अनुसार उचित होना चाहिए। पीठ ने शीर्ष अदालत के पहले के फैसले का जिक्र करते हुए कहा इस बात पर कोई प्रतिबंध नहीं है कि ट्रिब्यूनल/अदालत दावा की गई राशि से अधिक मुआवजे का आदेश नहीं दे सकते हैं। ट्रिब्यूनल/अदालत को न्यायसंगत मुआवजा देना चाहिए, जो रिकॉर्ड में पेश किए गए सबूतों के आधार पर तथ्यात्मक और उचित लगे। इसलिए, यदि कोई ऐसा मामला हो जिसमें, दावा याचिका में किया गया मूल्यांकन कम हो दावा की गई राशि से अधिक मुआवजा देने में बाधा नहीं होगी। उपरोक्त मामले में दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने परिवार को एकमुश्त 1.5 लाख रुपये का मुआवजा दिया था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुवाहाटी दौरे पर पहुंची, कामाख्या मंदिर में की पूजा-अर्चना

गुवाहाटी। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पूर्वोत्तर राज्य असम की अपनी दो दिवसीय यात्रा के आखिरी दिन शुक्रवार को गुवाहाटी में नीलांचल पर्वत शिखर पर स्थित 51 शक्ति पीठों में से एक प्रसिद्ध

कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस मौके पर राष्ट्रपति के साथ असम के राज्यपाल जगदीश मुखी, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे। शक्ति पीठ के एक पुजारी ने पत्रकारों से कहा, 'राष्ट्रपति और उनकी बेटी ने मंदिर के गर्भगृह में पूजा की और मंदिर की 'परिक्रमा' लगाई। चूंकि, दिन के दौरान राष्ट्रपति के कई कार्यक्रम निर्धारित हैं, इसलिए उनके साथ बातचीत का मौका नहीं मिला।' इस साल की शुरुआत में मुर्मू ने राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान गुवाहाटी की अपनी यात्रा के दौरान कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। राष्ट्रपति विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगी और दिन में डिजिटल माध्यम से कई परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगी। वह आधुनिक सुविधाओं से युक्त आदर्श 'आंगनवाड़ी' केंद्रों और सार्वभौमिक घरेलू विद्युतीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने से जुड़ी 'मिशन सौभाग्य' योजना का शुभारंभ करेंगी। मुर्मू सिलचर के मोइनारबॉन्ड में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के रेल-फेड पेट्रोलियम स्टोरेज डिपो का उद्घाटन करेंगी।

खास खबर

1 साल की लड़की की आंत की सर्जरी

मेडिडं। स्पेन में दुनिया की पहली सर्जरी हुई है। जिसमें 1 साल की बच्ची के आंत का सफल ट्रांसप्लांट किया गया है। दिल का दौरा पड़ने से एक मरीज की मौत हुई थी। उसकी आंत को बच्ची को ट्रांसप्लांट के जरिए लगाया गया। ऑपरेशन के बाद बच्ची पूर्णता स्वस्थ है। उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। 1 महीने की उम्र में इंटेस्टाइन फेल हो गई थी। जन्म के बाद उसकी आंत भी छोटी थी। बच्ची की हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी। इस तरह दुनिया का यह पहला ट्रांसप्लांट ऑपरेशन है।

तस्करी के लिए सूटकेस में घड़ियाल लेकर जा रहा शख्स म्यूनिख एयरपोर्ट पर पकड़ा गया

म्यूनिख। जर्मनी से सिंगापुर जा रहे एक व्यक्ति को घड़ियाल ले जाते हुए म्यूनिख एयरपोर्ट पर पकड़ा गया। वह इसे सूटकेस में छिपाकर ले जा रहा था, लेकिन लगेज स्कैनर ने उसकी चोरी पकड़ ली। जैसे ही चेकिंग करने वालों को सूटकेस में घड़ियाल दिखा एयरपोर्ट में हड़कंप मच गया। फौरन रेस्क्यू टीम को बुलाया गया और घड़ियाल को सूटकेस से निकालकर सही जगह पहुंचाया गया। मामले में 42 साल के एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी अमेरिकी नागरिक है और वह जर्मनी से सिंगापुर जा रहा था। उसके सूटकेस में करीब एक मीटर लंबा सफेद घड़ियाल था। वह इसकी तस्करी कर रहा था। लेकिन म्यूनिख एयरपोर्ट पर चेकिंग के वक्त लगेज स्कैनर में सूटकेस डालते ही वो पकड़ गया। सिक्योरिटी स्टाफ को स्कैनर में सूटकेस के अंदर कुछ अजीब सी चीज दिखाई दी। ऐसे में शक होने पर जब सूटकेस को खोलकर देखा गया तो उनके होश उड़ गए, क्योंकि अंदर एक मीटर लंबा घड़ियाल था। बताया गया कि इस तरह के सफेद घड़ियालों से तस्कर 50-60 लाख रुपये कमा लेते हैं। फिलहाल, केस दर्ज कर आरोपी को अरेस्ट कर लिया गया और घड़ियाल को चिड़ियाघर में छोड़ दिया गया। गौरतलब है कि तस्करी का ये कोई पहला मामला नहीं है। गोल्ड से लेकर सांप-कछुए तक की तस्करी के मामले सामने आ चुके हैं। तस्करी के लिए लोग तरह-तरह के हथकंडे अपनाते हैं।

सिंध प्रांत में बस में आग लगने से 18 बाढ़ पीड़ितों की मौत

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बस में आग लगने से आठ बच्चों और नौ महिलाओं सहित करीब 18 बाढ़ पीड़ितों की जलने से मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हादसा प्रांत के नूरीबाद थाना क्षेत्र में हुआ। वातानुकूलित बस क्षमता से अधिक भरी थी। बस में 80 बाढ़ पीड़ित सवार थे और यह दादू जिले के खैरपुर नाथन शाह से कराची की ओर जा रही थी। खबर में बताया गया है कि जामशोरो के उपायुक्त ने पुष्टि की है, कि मृतक संख्या 18 हो गई है तथा मरने वालों में आठ बच्चे और नौ महिलाएं शामिल हैं। खबर में पुलिस अधिकारियों के हवाले से कहा गया है, हो सकता है कि एयर कंडीशनर में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी हो। पुलिस ने बताया कि कुछ सवारियों ने आग से बचने के लिए बस से छलांग लगा दी। पुलिस के मुताबिक, बचाव का काम जारी है और दमकल कर्मी आग को बुझाने के लिए मौके पर पहुंच गए हैं जबकि घायलों को जामशोरो और नूरीबाद के स्थानीय अस्पतालों में भर्ती किया गया है। सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने जामशोरो के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक को बचाव कार्य तेज करने की हिदायत दी है। मुराद ने घटना पर रिपोर्ट भी तलब की है।

आप ने पीएम की मां का अपमान किया है, इस अपमान का चुनाव में जवाब देंगे गुजराती: स्मृति ईरानी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) पर बड़ा हमला बोला है। स्मृति ईरानी ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने गुजरात में अपनी राजनीति चमकाने के लिए प्रधानमंत्री की 100 वर्षीय मां का

अपमान किया है। अरविंद केजरीवाल के आदेश पर आप की गुजरात इकाई के प्रमुख गोपाल इटालिया ने पीएम मोदी और उनकी मां के लिए आपत्तिजनक बयानबाजी करके गुजरात के लोगों की भावनाएं आहत कीं हैं। चुनाव में गुजराती उन्हें सबक जरूर सिखाएंगे। उन्होंने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में शुक्रवार को कहा कि अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर गुजरात आप इकाई लगातार इस तरह की अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का एक नेता 100 वर्षीय महिला का अपमान इसलिए करता है, क्योंकि उस मां ने ऐसे बेटे को जन्म दिया, जिसने देश का आशीर्वाद पाकर प्रधानसेवक के दायित्व का निर्वाह किया। भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने कहा कि मैं सीएम अरविंद केजरीवाल से दो शब्द साफ कहना चाहती हूं कि गुजरात में आप की राजनीतिक हार आगामी चुनाव में होने वाली है।

सीएम योगी ने गोरखपुर व महाराजगंज के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण, वितरित की राहत सामग्री

लखनऊ। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र को लोगों तक राहत सामग्री तथा अन्य सभी प्रकार की सहायता सुनिश्चित करने के लिए बुधवार से ग्राउन्ड जीरो पर उतर सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को महाराजगंज व गोरखपुर का हवाई सर्वेक्षण करने के साथ बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। उनका दुख दर्द साझा किया और अपने हाथों से उन्हें राहत सामग्री भेंट की। बाढ़ पीड़ितों के बीच जाकर योगी आदित्यनाथ ने उन्हें आश्वस्त किया कि आपदा की इस घड़ी में केंद्र व राज्य की सरकारें उनके साथ हैं।

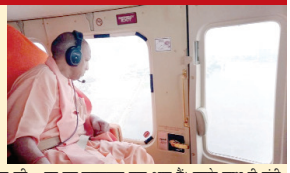

शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सबसे पहले महराजगंज जिले का सर्वेक्षण करते हुए धनी ब्लाक पहुंचे और बाढ़ पीड़ितों से मिले। इसकी बाद वह हैलीकाप्टर के साथ बाढ़ की स्थिति का जयजा लेते हुए गोरखपुर के कैपियनरगंज में जेपी इंटर कालेज और सहजनवा के मुरारी इंटर कालेज पहुंचे और राहत सामग्री का वितरण किया। इस अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार संकट की इस घड़ी में उनके साथ खड़ी है। बाढ़ पीड़ितों की राहत और बचाव कार्यो का निरीक्षण करने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ पिछले तीन दिनों से राज्य के दौरे पर हैं। बह बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, गोंडा, अयोध्या, सिद्धार्थनगर, बस्ती, संतकबीर नगर, गोरखपुर के दक्षिणांचल महराजगंज-गैंपियनरगंज होते हुए वह सहजनवा तक आए हैं। इसके साथ ही मंत्री समूह भी दौरा कर राहत कार्यों की निगरानी में जुटा हुआ है। इस अवसर पर सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन इलाकों में पानी ज्यादा भरा हुआ है, वहां अतिरिक्त नावों का तत्काल प्रबंध किया जाए। इसके साथ ही बाढ़ पीड़ितों के लिए पर्याप्त मात्रा में राहत सामग्री का वितरण किया जाए। उन्होंने कहा कि भारी वर्षा के दौरान होने वाली जनहानि, मकानों को हुई क्षति और फसलों को हुए नुकसान को लेकर परेशान लोग परेशान न हों। राज्य के अफसरों को निर्देश दिए गए हैं कि बाढ़ से जनहानि होने पर संबंधित परिवार को चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। अंगभंग होने की स्थिति में 2।5 लाख रुपए की सहायता उपलब्ध कराई जाए। जिनके मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं उन्हें अपने मकान बनाने के लिए 1।20 लाख रुपए दिए जाएंगे।

शाह की टिप्पणी से नाराज सीएम नीतीश कुमार ने केंद्रीय गृहमंत्री की सियासी उम्र का जिक्र कर कसा तंज

नई दिल्ली। बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के साथ गठबंधन टूटने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बिहार के नीतीश कुमार पर हमलावर है। हाल ही में जय प्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार के सिताब दियारा पहुंचे थे। शाह ने आरोप लगाया कि जो लोग समाजवादी चिंतक जयप्रकाश नारायण के अनुयायी होने का दावा करते हैं, उन्होंने सत्ता के लिए कांग्रेस से हाथ मिला लिया। पत्रकारों ने जब इस पर सवाल पूछा तो उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की राजनीतिक उम्र का हवाला देते हुए तंज कसा। उन्होंने अपनी वरिष्ठता का हवाला देते हुए कहा कि जिन लोगों ने 20 साल पहले राजनीति शुरू की है, उनके बयानों का उनके लिए कोई महत्व नहीं रखता है। हालांकि, मौजूदा सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का भी मानना है कि सीएम को विरोधियों को जवाब देने के लिए अपनी राजनीतिक वरिष्ठता का सहारा लेने के बजाय अपनी सरकार की उपलब्धियों के बारे में बोलना चाहिए। अमित शाह पहले राजनेता नहीं हैं जिसकी सियासी उम्र और अनुभव पर नीतीश कुमार ने टिप्पणी की है। इससे पहले, वह विधान परिषद में विपक्ष के नेता सम्राट चौधरी से लेकर अपने मौजूदा सहयोगी और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव तक पर इस तरह से हमले कर चुके हैं। सम्राट चौधरी पर पलटवार करते हुए नीतीश कुमार ने 53 साल के भाजपा नेता और नेता प्रतिपक्ष को लड़का कहा था। सीएम नीतीश ने सम्राट चौधरी को पिता और पूर्व विधायक शकुनि चौधरी के साथ उनके संबोधों की याद दिलाई। जवाब में सम्राट चौधरी ने बताया कि लगता है कि नीतीश कुमार अब अपनी राजनीति खो चुके हैं। मैं पांच बार विधायक हूं।

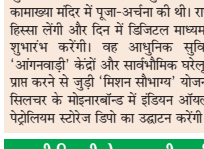

जी-23 के नेताओं ने खुलकर किया मल्लिकार्जुन खड़गे का समर्थन, उनके हाथ में पार्टी सुरक्षित रहेगी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के नए अध्यक्ष का चुनाव जैसे-जैस नजदीक आ रहा है। उम्मीदवारों की उम्मीदवारी के समर्थन में भी नेता अब खुलकर सामने आ रहे हैं। अभी तक एक प्रत्याशी के समर्थन में दिग्गज नेता खुलकर तारीफ या समर्थन नहीं कर पा रहे थे। लेकिन अब यह सिलसिला तेजी से शुरू हो गया है। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में शुमार और जी-23 समूह के सदस?य मनीष तिवारी ने मल्लिकार्जुन खड़गे के समर्थन में खुलकर बयानबाजी की है। कांग्रेस अध्यक्ष पद पर चुनाव 17 को होगा और नतीजे 19 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। कांग्रेस नेता तिवारी ने खड़गे की उम्मीदवारी को लेकर बयान दिया हैं, कि वह पार्टी को अध्यक्ष के तौर पर स्थिरता प्रदान करने में सक्षम हैं। एक अध्यक्ष के तौर पर कांग्रेस पार्टी 'सुरक्षित हाथों' में होगी। उन जैसे अध्यक्ष की कांग्रेस पार्टी को बेहद जरूरत है। उन्होंने खड़गे की उम्मीदवारी का खुलकर समर्थन किया है, जबकि जी-23 समूह के सदस्य शशि थरूर भी चुनावी दंगल में उतरे हुए हैं। खड़गे और थरूर के बीच अध्यक्ष पद को लेकर सीधा मुकाबला है।

तिवारी ने कहा कि यदि सभी तथ्यों पर विचार और निष्पक्ष मूल्यांकन किया जाता है, तब खड़गे कांग्रेस की सेवा में समर्पित नेताओं में से एक हैं। उन्होंने अपने जीवन के 50 साल से अधिक कांग्रेस पार्टी की सेवा में लगाए हैं। इन सभी मामलों में मेरा मानना है, कि कांग्रेस पार्टी को खड़गे के रूप में 'सुरक्षित हाथों' की जरूरत है। उन्होंने कहा कि खड़गे बेहद ही शांत व्यक्तित्व वाले नेता हैं, जोकि पार्टी में सबसे निचले पदों पर रहकर आगे बढ़े हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जिस कांग्रेस को स्थिरता की जरूरत है, वहां निश्चित तौर पर उस प्रदान कर सकते हैं। बता दें कि तिवारी खड़गे के प्रस्तावकों में से एक हैं। तिवारी के साथ-साथ जी23 के एक अन्य नेता आनंद शर्मा भी प्रस्तावक हैं। गत 30 सितंबर को खड़गे द्वारा दाखिल किए गए नामांकन का समर्थन करने वाले अन्य पार्टी नेताओं में एके एंटनी, अशोक गहलोत, अंबिका सोनी, मुकुल वासनिक, अभिषेक सिंघवी, अजय माकन, भूपिंदर सिंह हुड्डा, दिग्विजय सिंह, तारिक अनवर, सलमान खुर्शीद, अखिलेश प्रसाद सिंह, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, वी नारायणसामी शामिल हैं।

यूपी में घाघरा नदी उफान पर, टूटा रिंग बांध, मचा हड़कंप, भारी तबाही की आशंका

आजमगढ़। यूपी में घाघरा नदी उफान पर है और तेज पानी के बहाव में शुक्रवार की दोपहर नदी पर बना रिंग बांध टूट जाने के बाद मुख्य बांध पर ओवरफ्लो होने लगा है, जिससे महुला गढ़वड़ बंधे पर दबाव बढ गया। रिंग बांध टूटने से जहां प्रशासन में हडकंप मचा हुआ है। वहीं ग्रामीणों में हाहाकार मचा हुआ है। सूबे के जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद के साथ सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ भी गुरुवार को मौके पर पहुंचे थे। घाघरा नदी के पानी के तेज दबाव को देखते हुए अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिया था कि किसी भी हालत में रिंग बांध नहीं टूटना चाहिए, लेकिन राज्यमंत्री व सासंद का आदेश अधिकारियों पर बेअसर रहा। पानी के तेज दबाव के कारण शुक्रवार की दोपहर आचानक रिंग बांध टूट गया। टूटे रिंग बांध की तेज धारा के साथ पानी महुला गढ़वल बंधे पर तेजी के साथ दबाव बन रहा है। रिंग बांध टूटने से प्रशासन में हडकंप मचा हुआ है। क्योंकि नदी के पानी का तेज दबाव के कारण महुला गढ़वल बंधे पर भी असर पड़ सकता है, जिससे बंधे पर किसी तरह की परेशानी आई तो भारी तबाही मचनी तय है। वहीं बाढ के पानी से घिरे ग्रामीण महुला गढ़वल बंधे पर शरण लिए हुए है। उनका आरोप है कि किसी भी तरह की सरकारी सुविधा मुहैया नहीं कराई जा रही है। प्रशासन के अधिकारी सिर्फ कागजों में खानापूर्ति करने में जुटे है। इस मामले में उपजिलाधिकारी सगड़ी राजीव रतन सिंह ने बताया की समय रहते सभी ग्रामीणों को बाहर निकाल सभी को सुरक्षित स्थानों पर स्थापित कर दिया गया है। बांध जोड़ने का काम तेजी के साथ किया जा रहा है।

'शिवलिंग' की कार्बन डेटिंग की मांग कोर्ट ने की खारिज

वाराणसी। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर से सटे ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में सर्वे के दौरान सामने आए कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग जांच की मांग अदालत ने खारिज कर दी। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने शुक्रवार को यह आदेश मामले पर सुनवाई के दौरान दिया। अदालत ने कार्बन डेटिंग के साथ ही अन्य किसी भी वैज्ञानिक तरीके के परीक्षण की मांग खारिज कर दी है। मामले की अगली सुनवाई 17 अक्तूबर को होगी। वहीं अदालत के इस फैसले के बाद हिंदू पक्ष के पांच में से चार वादियों की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि हमारी कार्बन डेटिंग की मांग को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि शिवलिंग के साथ कोई छेड़छाड़ ना हो, अभी इसकी आवश्यकता नहीं है। जिला जज की अदालत के इस आदेश को अब सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जायेगी। विदित हो कि इस मामले में वादी पक्ष की चार महिलाओं ने सर्वे में मिले शिवलिंग की कार्बन डेटिंग या किसी अन्य आधुनिक विधि से जांच की मांग की थी। इस मामले में दोनों पक्ष की बहस सुनने के बाद 12 अक्तूबर को जिला जज डॉ. अजय

कृष्ण विश्वेश की अदालत ने आदेश के लिए आज की तिथि नियत की थी।

वहीं बीती 12 अक्तूबर को सुनवाई के दौरान अंजुमन इंतजामिया ने अपना पक्ष रखा फिर वादिनी संख्या 2 से 5 तक के अधिवक्ता विष्णुशंकर जैन ने प्रति उत्तर में हिंदू पक्ष की दलीलें पेश की। जबकि वादिनी संख्या एक के अधिवक्ता मान बहादुर सिंह ने कोई भी दलील देने से इनकार कर दिया तब अदालत ने आदेश के लिए 14 अक्तूबर की तिथि नियत कर दी। इस मामले में अंजुमन की तरफ से विरोध करते हुए दलील में अधिवक्ता मुमताज अहमद और एखलाक अहमद ने कहा कि 16 मई को सर्वे के दौरान मिली आकृति के बाबत दी गई आपत्ति का निस्तारण नहीं किया गया और मुकदमा सिर्फ श्रृंगार गौरी के पूजा और दर्शन के लिए दाखिल किया गया है। 17 मई को सुप्रीम कोर्ट ने मिली आकृति को सुरक्षित व संरक्षित करने का आदेश दिया है। वैज्ञानिक जांच में केमिकल के प्रयोग से आकृति का क्षरण सम्भव है कार्बन डेटिंग जीव व जन्तु की होती है पत्थर की नहीं हो सकती। क्योंकि पत्थर कार्बन को एडाप्ट नहीं कर सकता। कहा कि कार्बन डेटिंग वाद की मजबूती व साक्ष्य संकलित करने के लिए कराई जा रही है ऐसे में कार्बन डेटिंग का आवेदन खारिज होने योग्य है।

न्यूज़ ट्रैक....

महिला आईपीएल में पांच विदेशी खिलाड़ियों को अनुमति दे सकता है बीसीसीआई

मुंबई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अगले साल होने वाले पहले महिला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में शामिल टीमों को पांच विदेशी खिलाड़ियों के साथ उतरने की अनुमति देने के साथ ही ही 20 लीग मुकाबलों पर विचार कर रहा है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार महिला आईपीएल के लिए अस्थायी विंडो मार्च 2023 की है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इस इलेवन में ज्यादा से ज्यादा चार विदेशी खिलाड़ी आईसीसी के पूर्ण सदस्य देशों से हो सकते हैं। इसके अलावा एक सहयोगी देश से हो सकता है। महिला आईपीएल में टीमों का नाम जोन के अनुसार या टीम के अनुसार रखें इसपर अभी कोई फैसला नहीं हो पाया है। इस मामले में आईपीएल अध्यक्ष और बीसीसीआई टीमों के साथ-साथ होने वाली बैठक में स्थल को लेकर भी कोई अंतिम फैसला करेगा। महिला आईपीएल एक अलग प्रारूप में हो सकता है, जिसमें एक शहर में खेले जाने वाले सभी मैच पूरी तरह से दूसरे स्थान पर जाने से पहले होते हैं।रिपोर्ट में यह भी कहा गया, 'केवल 20 लीग मैचों को ध्यान में रखते हुए, महिला आईपीएल के लिए प्रति सत्र में कम से कम दो स्थान शामिल होंगे। इसलिए 2023 सत्र दो स्थानों पर खेला जा सकता है।

विश्व कप हॉकी में जीत सकती है भारतीय टीम : भास्करन

नई दिल्ली । भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान वासुदेवन भास्करन ने कहा है कि अगले साल होने वाले विश्व कप में भारतीय टीम जीत दर्ज कर सकती है। भास्करन के अनुसार भारतीय टीम को राष्ट्रमंडल खेल फाइनल की हार से उबरकर आने वाले मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करने पर ध्यान देना चाहिये। उन्हें इसके लिए टोक्यो ओलंपिक में अपने अच्छे प्रदर्शन का ध्यान करना चाहिये। भास्करन मॉस्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम के कप्तान रहे थे। उन्होंने कहा, 'भारत के पास ग्राहम रीड जैसा अच्छा कोच और सहयोगी स्टाफ है। इससे मुझे लगता है कि वे घरेलू धरती पर होने वाले विश्व कप में पदक जीत सकते हैं।' भास्करन ने कहा कि भारत को विश्व कप में स्पेन के खिलाफ सकारात्मक रुख से शुरुआत करनी चाहिये। गौरतलब है कि विश्व कप 13 से 29 जनवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला में खेला जायेगा। भास्करन ने कहा, 'अगर हम स्पेन के खिलाफ पहला मैच जीत लेते हैं तो पदक के मुकाबले में पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता।'

टीम इंडिया को मुख्य तेज गेंदबाज की कमी खलेगी : अकरम

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने कहा है कि भारतीय टीम को इस विश्वकप में मुख्य तेज गेंदबाज की कमी खलेगी। अकरम के अनुसार भारतीय टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बाहर होने से टीम की गेंदबाजी प्रभावित होना तय है। अकरम ने कहा कि टीम इंडिया को चोटिल जसप्रीत बुमराह की जगह उमरान मलिक को रिप्लेसमेंट के तौर पर लाना चाहिए था। अकरम ने कहा, भारतीय टीम में भुवनेश्वर कुमार हैं। वह नई बॉल के साथ अच्छे गेंदबाज हैं पर रफ्तार के मामले में नहीं। यदि बॉल स्विंग नहीं करेगी, तो उन्हें परेशानी होगी। इसमें कोई शक नहीं है कि भुवनेश्वर अच्छे गेंदबाज हैं पर ऑस्ट्रेलिया में रफ्तार भी अहम रहती है। अकरम ने कहा, भारतीय टीम में अच्छे बल्लेबाज है। मगर अब भी उनके पास बुमराह का विकल्प नहीं है। वहीं पाक टीम का मध्य ऑर्डर बेहद खराब है, जिसकी वजह से उसे परेशानी होती है। वहीं अगर मध्य ऑर्डर ठीक हो जाए, तो पाक के पास अच्छे गेंदबाज और सलामी बल्लेबाज हैं। यदि वे मिडिल ऑर्डर को ठीक कर लें, तो उनके पास जीत का अच्छा अवसर है। उमरान मलिक को लेकर अकरम ने कहा, उसमें काफी रफ्तार है। वह आयरलैंड दौरे पर गया था, जहां काफी महंगा साबित हुआ था, मगर टी20 फॉर्मेट में ऐसा होता है. टीम मैनेजमेंट को उसके साथ बने रहना होगा। यदि मैं टीम इंडिया के थिंक टैंक में होता, तो उसे हमेशा टीम के साथ बनाए रखता। टी20 फॉर्मेट में अनुभव महत्व रखता है।% बता दें कि उमरान में लगातार 150 से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी करने की काबिलियत है।

शास्त्री ने कहा क्षेत्ररक्षण ठीक करे टीम इंडिया

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि भारतीय टीम को टी20 विश्व कप जीतने के लिए अपने क्षेत्ररक्षण को ओर बेहतर बनाना होगा। शास्त्री के अनुसार टीम की बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी अच्छी है। उसे केवल अपने क्षेत्ररक्षण का स्तर ओर बढ़ाना होगा। यह एक क्षेत्र है जिसमें उन्हें काम करने की जरुरत है। उन्हें जीत के लिए अपने क्षेत्ररक्षण में कड़ी मेहनत करनी होगी और पहले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। उन्होने कहा 15 से 20 रन बचाने से भी मैच में अंतर आ जाता है। वहीं अगर आप ऐसा नहीं कर पाते हैं तो आपको काफी ज्यादा रन बनाने होंगे। उन्होंने यह भी कहा, 'आप ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका को देखिए। वो जबरदस्त क्षेत्ररक्षण करते हैं। श्रीलंका ने एशिया कप में अपने कसे हुए क्षेत्ररक्षण के बल पर ही पाकिस्तान को हराया था। भारतीय टीम को भी अपने क्षेत्ररक्षण का स्तर और ऊपर लाना है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से भारतीय टीम का क्षेत्ररक्षण खराब रहा है। एशिया कप के अहम मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम का क्षेत्ररक्षण अच्छा नहीं रहा था। तब अर्शदीप सिंह ने कठिन हालातों में आसिफ अली का महत्वपूर्ण कैच छोड़ दिया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में अक्षर पटेल, लोकश राहुल और हर्षल पटेल के कैच छोड़ने से भारतीय टीम के हाथों से मैच फिसल गया था।

नवी मुम्बई में फीफा अंडर-17 महिला विश्वकप फुटबॉल में मैक्सिको के खिलाफ मैच में खेलती हुई चीन की हुआंग ज़ियाक्सिन।

वीजा नहीं मिलने की वजह से ऑस्ट्रेलिया नहीं जा सके उमरान मलिक और कुलदीप सेन

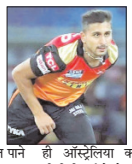

मुंबई । युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक और कुलदीप सेन वीजा नहीं मिल पाने के कारण टी20 विश्वकप क्रिकेट में भाग लेने ऑस्ट्रेलिया नहीं जा पाये हैं। उमरान और कुलदीप को विश्वकप के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने नेट गेंदबाज के तौर पर रखा था पर वीजा नहीं मिल पाने के कारण अब इन्हें नहीं भेजा जाएगा। उमरान अभी घरेलू टी20 टूर्नामेंट मुश्ताक अली ट्रॉफी खेल रहे हैं। वहीं चेतन सकारिया और मुकेश चौधरी के साथ ही सेन व उमरान को नेट गेंदबाज के तौर पर शामिल किया गया है। सकारिया और चौधरी के पास पहले से ही ऑस्ट्रेलिया का वीजा है। वहीं बीसीसीआई ने सेन ओर उमरान के लिए वीजा आवेदन बाद में किया था। वीजा नहीं मिलने का कारण यह बताया गया है कि उमरान और कुलदीप सेन आधिकारिक तौर पर 15 सदस्यीय भारतीय टीम में हिस्सा नहीं थे और यहां तक कि वे स्टैंडबाय में भी शामिल नहीं थे जबकि आईसीसी द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार, टीम में चुने गए खिलाड़ी और आरक्षित सूची में शामिल खिलाड़ी ही जल्द वीजा प्राप्त करने के पात्र हैं हालांकि नेट गेंदबाजों के मामलों में यह नियम लागू नहीं होता। चुने गए 15 खिलाड़ियों के अलावा मोहम्मद शमी, श्रेयस अय्यर, रवि बिश्नोई और दीपक चाहर को शुरू में स्टैंडबाय के रूप में नामित किया गया था. हालांकि बाद में चाहर को चोट के कारण टीम से बाहर कर दिया गया। मलिक और सेन आधिकारिक सूची में नहीं थे, इसलिए उनके वीजा की प्रक्रिया में अपेक्षा से अधिक समय लगा।

विश्वकप में नये अंदाज में नजर आयेंगे विराट

पर्थ । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली टी20 विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन के लिए अभ्यास में लगे हुए हैं। इसके लिए विराट ने जिम में अपने अभ्यास का समय भी बढ़ा दिया है जिससे कि उनकी फिटनेस बनी रहे। यहां तक की उन्होंने अपना हेयर स्टाइल भी बदल दिया है। उनका ये अदला हुआ अंदाज प्रशंसकों को भी पसंद आया है। विराट ने अपने अभ्यास का एक वीडियो भी इंस्टाग्राम पर साझा किया है। इसपर उनके प्रशंसकों ने उन्हें विश्वकप के लिए शुभकामनाएं भी दी हैं। कोहली ने जिम का जो वीडियो साझा किया है, उसके साथ लिखा, %चलते रहना ही सफलता की चाबी है।% कोहली ने इस वीडियो का श्रेय सूर्यकुमार यादव को दिया है। इस पर प्रशंसकों ने विराट को फिटनेस किंग कहा। वहीं कुछ यूजर्स ने कहा कि उनकी फिटनेस काफी अच्छी है। साथ ही कहा कि वह क्रिकेट का असली किंग है। विराट ने अपना लुक बदलने के लिए ऑस्ट्रेलिया के मशहूर हेयरस्टायलिस्ट जॉर्डन से अपने बालों को सेट कराया है। कोहली के अलावा टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने भी अपने हेयर स्टाइल को बदला है।

वॉर्नर पर कप्तानी को लेकर लगा प्रतिबंध हटा सकता है सीए

सिडनी । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) अब बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को राहत देते हुए उनके कप्तान बनने पर लगे आजीवन प्रतिबंध को हटा सकता है। वार्नर पर यह प्रतिबंध हटता है तो वह एकदिवसीया टीम के कप्तान बन सकते हैं क्योंकि आरोन फिंच के एकदिवसीय क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद से ही टीम नये कप्तान की तलाश में लगी है। वॉर्नर पर साल 2018 में गेंद से छेड़खानी मामले के बाद से ही कप्तानी को लेकर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया था। वॉर्नर अपने लंबे अनुभव को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया की एकदिवसीय टीम की कप्तानी के प्रबल दावेदार हैं पर वर्तमान नियमों के तहत उन्हें कप्तानी नहीं मिल सकती। उन्हें कप्तान बनाने के लिए सीए को अपने नियमों में भी बदलाव करना होगा जिससे कि उनपर लगे प्रतिबंध को हटाया जा सके। इस मामले में होबार्ट में शुक्रवार को होने वाली बैठक में निदेशक विचार करेंगे। सीए के चेयरमैन लाचलान हेंडरसन ने भी कहा है कि जरूरत पड़ने पर नियमों को बदला भी जा सकता है। हेंडरसन ने वार्षिक आम बैठक में कहा, सीए का मानना है कि वॉर्नर विशेष रूप से मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और विशेष योगदान दे रहे हैं। उन्होंने साथ ही कहा, अब वार्नर के नेतृत्व पर प्रतिबंध को लेकर यह देखना है कि क्या उन प्रतिबंधों की समीक्षा की जा सकती है। इसके लिए संशोधन करने की आवश्यकता होगी। इससे पहले मिचेल मार्श को भी फिंच की जगह कप्तानी की पेशकश की गयी थी पर इस खिलाड़ी ने इंकार कर दिया था।

व्यापारन्यूज

सोने में गिरवट, चांदी में उछाल

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है जबकि चांदी में उछाल आया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी का भाव नीचे आया है। इस दौरान एमसीएक्स पर सोने की कीमतों में शुरुआती कारोबार में 0.13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी है। वहीं चांदी की कीमतों में आज एमसीएक्स पर 0.11 फीसदी की तेजी आई है। वायदा बाजार में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव सुबह गिरावट के साथ ही 50,819 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। सोना सुबह 50,794 रुपये पर खुलने के बाद 50,788 तक पहुंच गया। इसके अलावा मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी की कीमतों में बढ़त दर्ज की गयी। यह 61 रुपये बढ़कर 57,201 रुपये पहुंच गयी। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के भाव में आई तेजी बरकरार नहीं रह पाई है। सोने की कीमतें 0.45 फीसदी नीचे आकर 1,667.13 डॉलर प्रति औंस रह गयी हैं। इससे पहले सोने के भाव में 0.32 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी थी। वहीं गत दिवस सर्राफा बाजार में सोने के भाव में मामूली तेजी देखी गई जबकि चांदी के दाम 493 रुपये गिर गये।

रुपए के भाव में आई गिरावट

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को रुपये ने अपनी शुरुआती बढ़त खो दी। इससे रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे नीचे आकर 82.29 पर पहुंच गया। वहीं गत दिवस रुपया 82.24 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इसके अलावा अंतर्बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को रुपया 82.26 पर खुला। इसके बाद यह बढ़त दर्ज कर 82.12 प्रति डॉलर पर आ गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 12 पैसे की बढ़त दिखाता है। इस दौरान रुपया 82.29 प्रति डॉलर के स्तर पर भी पहुंचा । वहीं इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी नीचे आकर 112.27 पर पहुंच गया। इसके अलावा वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट वरूड वायदा 0.13 फीसदी नीचे आकर 94.45 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर पहुंच गया।

शेयर बाजार की तेज शुरुआत, सेंसेक्स 928 अंक उछला

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ खुला। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन विदेशी बाजार से मिले अच्छे संकेतों और कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट से बाजार उछला है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज सुबह 928 अंक के उछाल से 58,163 पर खुला। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 308 अंकों की बढ़त के साथर ही 17,322 पर खुला। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजारों के प्रभाव से घरेलू निवेशकों ने जमकर खरीदारी की जिससे भी बाजार उछला है। आज सुबह सेंसेक्स 1,067 अंक बढ़कर 58,297 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 302 अंकों के लाभ के साथ ही 17,316 पर कारोबार करता दिखा। कारोबार के दौरान निवेशकों ने आईटी कंपनी इंफोसिस , आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, लॉर्सन एंड ट्रूबो व बजाज फाइनेंस के शेयरों में जमकर खरीददारी की। शुरुआत सत्र में ही निफ्टी 17,300 अंकों से ऊपर आ गया। इसके अलावा सेंसेक्स में 1.62 फीसदी की अच्छी खासी तेजी नजर आयी। कारोबार में निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 भी एक फीसदी से ज्यादा उछला।

कारोबार के दौरान सभी क्षेत्रों में बढ़त दिखी है। निफ्टी बैंक और निफ्टी आईटी सेक्टर में विशेष रुप से तेजी रही। इन्फोसिस के शेयरों में आज 3 फीसदी का बड़ा उछाल आया, जबकि माइंडट्री के शेयरों ने भी शुरुआत में ही 2 फीसदी की बढ़त बना ली। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 390.58 अंक यानी 0.68 फीसदी की गिरावट के साथ ही 57,235.33 अंक पर बंद हुआ था। दूसरी ओर अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग के बाजारों में तेजी रही जबकि गत दिवस अमेरिकी बाजार भी लाभ के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट करूड वायदा 0.13 फीसदी नीचे आकर 94.45 प्रति बैरल के भाव पर पहुंच गया।

कतर एयरवेज कर रही 10 हजार लोगों की भर्ती

नई दिल्ली । फुटबॉल वर्ल्ड कप इस बार खाड़ी देश कतर में होने वाला है। इस दौरान दुनियाभर से बड़ी संख्या में फुटबॉल प्रेमियों के वहां पहुंचने की उम्मीद है। इतनी बड़ी संख्या में यात्रियों को लाने ले जाने के लिए कतर एयरवेज ने भी अपनी तैयारी शुरू कर दी है। कंपनी 10 हजार लोगों की भर्ती कर रही है। इसके लिए एयरलाइन ने हाल में भारत में भी भर्ती अभियान चलाया था। भारत के साथ-साथ फिलीपींस और कई दूसरे देशों से भर्तियां हो रही हैं। फुटबॉल वर्ल्ड कप 20 नवंबर से 18 दिसंबर तक कतर में आयोजित होगा। इसमें दुनियाभर की 32 टीमें हिस्सा लेंगी। कतर फीफा विश्व कप का मेजबानी करने वाला मिडल ईस्ट का पहला देश है।

कतर एयरवेज के प्रवक्ता के हवाले से बताया गया है, कि अभी कंपनी के कर्मचारियों की संख्या 45,000 है जो अब बढ़कर 55,000 होगी। कोविड का प्रकोप कम होने के बाद कंपनी पटरी पर लौट रही है। साथ ही विश्व कप की तैयारियां जोरों पर है। इसकारण कंपनी ने कर्मचारियों की भर्ती शुरू की है। हालांकि कंपनी ने यह साफ नहीं किया है कि इनमें से कितने लोगों की नौकरी नियमित होगी। कोरोना काल में कतर एयरवेज का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ था। 2021 में कंपनी के कर्मचारियों की संख्या 37,000 से नीचे पहुंच गई थी। 2020 में जब कोरोना का कहर चरम पर था, तब कंपनी केवल 33 शहरों में अपनी फ्लाइट्स ऑपरेट कर रही थी। इसके बाद से कंपनी ने अपने ऑपरेशन को बढ़ाया है और अभी वह 150 से अधिक शहरों को फ्लाइट्स ऑपरेट कर रही है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि हाल में फिलीपींस और भारत सहित कई देशों में भर्ती अभियान चलाया गया था।

लीवाइज की 1980 की जीन्स पैंट 62 लाख 60 हजार 728 रुपये में हुई नीलाम

लंदन । कहते हैं ओल्ड इज गोल्ड, परंतु हर पुरानी चीज सोना नहीं होती। वह इतनी पुरानी होनी चाहिए कि उसके समय की अन्य चीजें नष्ट हो चुकी हो। बची हुई या बचाकर रखी गई चीजों को विजेंट कहा जाता है। न्यू मैक्सिको में एक बोली के दौरान एक जोड़ी पैंट को 76,000 डॉलर में खरीदा गया है। जी हां, जीन्स पैंट की एक जोड़ी 62 लाख 60 हजार 728 रुपये (आज की एक्सचेंज वैल्यू के हिसाब से) में खरीद ली गई। बताया गया है कि ये जीस पैंट लीवाइज कंपनी की हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात इन जीन्स पैंट्स के बनाए जाने का वर्ष है। यह पैंट 1880 की है। 1980 के दशक में बनी लीवाइज की इन पैंट्स की बोली और बिक्री के बारे में एक रिपोर्ट छापी है। इस रिपोर्ट के अनुसार, 1 अक्टूबर को हुई नीलामी में पैंट्स को सैन डिएगो के एक विंजेट क्लोथिंग डीलर कायले हौपेर्ट ने खरीदा है। कायले इस खरीदने के बाद खुद भी हैरान हैं।

इलेक्ट्रिक कार खरीदने पर योगी सरकार देगी 1 लाख रुपये की छूट, बनाई नई नीति

लखनऊ । इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने अहम फैसला लेते हुए एक नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2022 को मंजूरी दे दी है। इस पॉलिसी को सरकार ने 3डी बनाया है, यहां 3डी से मतलब इस पॉलिसी से 3 अलग-अलग लक्ष्यों को प्राप्त करना है। पहला है सरकार नए इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर खरीदारों को भारी छूट देगी, दूसरा राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन बनाने को प्रोत्साहित करेगी, ताकि उनकी लागत कम हो। तीसरा चार्जिंग स्टेशन या बैटरी स्वैपिंग सेंटर स्थापित करने वालों को सरकार की ओर से कई तरह की रियायत दी जाएगी।

उत्तर प्रदेश सरकार की नई नीति के तहत अगर यूपी में कोई व्यक्ति नया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदता है तो उसे भारी छूट मिलेगी। ये छूट इलेक्ट्रिक 2-व्हीलर्स से लेकर, 3-व्हीलर्स, कार और बस तक पर लागू होगी। सरकार राज्य में खरीदे जाने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों को फैक्ट्री मूल्य पर 15 प्रतिशत की सब्सिडी देगी। इसके हिसाब से राज्य में पहले खरीदे जाने वाले 2 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन पर 5,000 रुपये प्रति वाहन की छूट मिलेगी। वहीं शुरुआती 50,000 इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहन पर सरकार 12,000 रुपये प्रति यूनिट छूट देगी। जबकि इलेक्ट्रिक कार खरीदने के मामले में पहली 25,000 कार खरीदने वालों को 1 लाख रुपये तक की छूट मिलेगी। सरकार ने इलेक्ट्रिक बस खरीद पर भी भारी छूट का ऐलान किया है। राज्य में शुरुआती 400 इलेक्ट्रिक बस खरीदने पर 20 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी। योगी सरकार की नई नीति के मुताबिक राज्य में पहले के तीन साल में खरीदे जाने वाले सभी इलेक्ट्रिक वाहन को रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन चार्ज नहीं देना होगा। अगर किसी ग्राहक का इलेक्ट्रिक वाहन यूपी में ही बना है, तो उसे ये छूट चौथे और पांचवे साल में भी इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर मिलेगी। सरकार ने लॉजिस्टिक या ट्रांसपोर्ट में इस्तेमाल होने वाली गाड़ियों पर भी 10 प्रतिशत सब्सिडी देने का प्रस्ताव नई नीति में किया है। ये छूट शुरुआत के 1000 ई-गुड्स कैरियर के लिए होगी और अधिकतम 1 लाख रुपये की होगी। इसके अलावा सरकार ने राज्य में इलेक्ट्रिक व्हीकल के साथ-साथ ईवी बैटरी को बढ़ावा देने का प्रावधान भी इस नीति में किया है। इसके हिसाब से राज्य में 1 गीगावॉट की न्यूनतम क्षमता वाला बैटरी मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट लगाने वाले को सरकार की ओर पूंजीगत सब्सिडी दी जाएगी। 1,500 करो रुपये या उससे अधिक निवेश करने वाली पहली दो अल्ट्रा मेगा बैटरी परियोजनाओं को निवेश पर 30 प्रतिशत की दर से ये सब्सिडी मिलेगी।

वर्क फ्रॉम होम के लिए कर्मचारियों से मांगा कंपनियों ने मेडिकल सर्टिफिकेट!

नई दिल्ली । कोरोना काल में अधिकतर कंपनियों ने कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की सुविधा दी थी। कई कंपनियों के ऑफिस अभी तक नहीं खुले हैं। वहीं जिन कंपनियों के ऑफिस खुल भी गए हैं वहां अभी ज्यादातर लोग वर्क फ्रॉम होम कर रहे हैं। कंपनियां अब कर्मचारियों को ऑफिस बुला रही है लेकिन अभी भी ज्यादातर कर्मचारी ऑफिस आने के मूड में नहीं हैं। कर्मचारी अभी घर से ही काम करना चाहते हैं। खबर के मुताबिक, दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने भी कर्मचारियों से ऑफिस आने के लिए कहा है। लेकिन यहां भी अभी कई कर्मचारी ऑफिस नहीं आना चाहते हैं।कंपनी के ऑफिस बुलाने पर अभी बहुत से कर्मचारी ऐसे हैं जो सेहत का हवाला देते हुए घर से काम करने की मांग कर रहे हैं। कई कर्मचारी तबीयत खराब होने की बात कहकर वर्क फ्रॉम होम कर रहे हैं। ऐसे में आईटी कंपनी टीसीएस ने ऐसे कर्मचारियों से अब मेडिकल सर्टिफिकेट की मांग की है। ऐसे कर्मचारी जो स्वास्थ्य ठीक नहीं होने का हवाला दे रहे हैं, उन्हें इस दिग्गज आईटी कंपनी की ओर से लिस्टेड डॉक्टरों के पास हेल्थ चेकअप के लिए भेजा जा रहा है। इससे ये देखा जाएगा कि क्या वाकई कर्मचारी की हालत ऑफिस से काम करने लायक नहीं है या फिर उसे ऑफिस बुलाया जा सकता है। घर से काम करने की अनुमित केस-टू-केस के आधार पर दी जा सकती है या नहीं। रिपोर्टस के मुताबिक टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने इस मामले में कर्मचारियों को मेल भी किया है। जिसमें कर्मचारियों को कंपनी की ओर से पैनल में शामिल डॉक्टरों की टीम से उपचार और चिकित्सा प्रमाण पत्र जैसे मेडिकल रिकॉर्ड देने के लिए कहा गया है।

खड़े होकर खाना हानिकारक

आहार /खाना /भोजन उस द्रव्य को कहते हैं जो पाचन नलिका के द्वारा शरीर में शोषित होकर निम्म कार्यों के साधन में समर्थ हो 1 शरीर की क्षति की पूर्ति करना एवं उसके विकास में सहायता प्रदान करना 2 ताप या शक्ति का उत्पादन एवं दोनों क्रियायों का नियंत्रण करना, भोजन हमारे शरीर के लिए बहुत जरुरी हैं और भोजन संतुलित भी होना चाहिए। भोजन सात्विक भी/ही होना चाहिए जिससे उसका प्रभाव मन पर भी पड़ता हैं। पहले चौका संस्कृति थी आजकल किचिन होने से खाना खड़े खड़े बनाना और डाइनिंग टेबल पर बैठकर खाना। पहले सामूहिक भोज में पालथी मारकर खाना खाते थे अब बुफे सिस्टम होने से हम खड़े खड़े खाना खाते हैं। आधुनिकता के कारण हम विकसित हुए पर खानपान हमारा भारतीय संस्कृति के अनुसार लाभकारी होता हैं।

- समय बचाने के लिए ज्यादातर लोग टहलते हुए ही खाना शुरू कर देते हैं। जबकि बैठकर भोजन करना सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद होता है। खड़े होकर या घूमते हुए खाने से पाचन जरूरत से कम समय में हो जाता है, जिससे बार-बार भूख लगना, गैस, पेट फूलने जैसी समस्या हो सकती है।
- दुनिया में कई तरह की सभ्यता है। और इसलिए हर चीजों को करने के तरीके भी तरह-तरह के हैं। उदाहरण के लिए भोजन करने के तरीके को ही ले लीजिए, रोम और ग्रीस की सभ्यता में लेटकर खाना खाना फैशन में था। जबकि भारतीय सभ्यता के अनुसार भोजन को जमीन में पर पालथी मारकर बैठकर खाने का बेहतर माना गया है। लेकिन आज के व्यस्त जीवन में खाने को लोग अपनी सहुलियत के अनुसार खड़े होकर, घुमते हुए जैसे तरीकों से खाना पसंद करते हैं। ये कितना सही है?
- खाना किस पोजिशन में खाना चाहिए इस तरफ आप कम ही ध्यान देते होंगे। लकिन आपने अक्सर ही घर के बड़े-बुजुर्गों को कहते हुए सुना होगा कि खाना एक जगह बैठकर ही खाना चाहिए। खड़े होकर खाने से कई तरह के विकार शरीर में पैदा होते हैं। जबकि जब आप लेटकर खाते हैं या तुरंत बाद लेटते हैं, तो पेट में एसिड बढ़ जाता है जिससे व्यक्ति को असुविधा का अहसास हो सकता है।
- बैठकर भोजन करने से आपके मस्तिष्क को यह मैसेज जाता है कि आपने भोजन का सेवन किया है। इससे भोजन के दौरान ऑवर इंटिग की संभावना कम हो जाती है। जिससे मोटापा बढ़ने का खतरा भी कम होता है।
- तेजी से पाचन खतरनाक हो सकता है क्योंकि यह पोषक तत्वों को अवशोषित करने के लिए कम समय देता है जिसके परिणामस्वरूप गैस और सूजन हो जाती है। जब कार्ब्स ठीक से नहीं पचते हैं, जिससे गैस और पेट फूलने की समस्या हो सकती है।
- खड़े होकर खाने से भोजन का पाचन 30त्न तेज गति से होता है और इससे खाने के कुछ घंटों के बाद ही आपको भूख लग जाती है। यह समस्या उन लोगों के साथ नहीं होती है जो आराम से बैठकर भोजन करते हैं।
- खाने के दौरान आपकी शारीरिक स्थिति आपके पाचन को काफी हद तक प्रभावित करती है। खड़े होकर खाने से पेट तेजी से खाली होता है और भोजन अति सूक्ष्म कणों में टूटने से पहले आंत में चला जाता है। इससे आंत पर दबाव बढ़ता है और पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। यह माना जाता है कि पेट से आंत तक भोजन की तत्काल गति गुरुत्वाकर्षण बल के कारण होती है।
- आज मानव दिन रात पैसा कमा रहा हैं किसके लिए अपनी हैसियत बनाने ,परिवार के लिए ,संतानों के लिए पर उसे खाने का समय नहीं हैं जो उसके जीवन का आधार हैं। इसी कारण की गई कमाई फिर इलाज के खरच में जाती हैं। इससे अच्छा कम कमाओ और बैठके शुकुन से खाना खाओ।

बारिश में कान में हो सकता है संक्रमण

आमतौर पर बरसात का मौसम कानों के लिए भी खराब होता है। कान के बाहरी भाग (एक्सटर्नल ईयर) में जीवाणु और फंफूदी (फंगल) के संक्रमण बारिश के मौसम में बढ़ जाते हैं। वहीं कान के बीच वाले भाग (मिडिल ईयर) में ओटाइटिस मीडिया नामक आदि संक्रमण भी बढ़ जाते हैं।

ध्यान रखने योग्य बातें

कान की पुरानी बीमारियां जो अन्य मौसमों में दबी (इनएक्टिव) रहती हैं, वे भी मानसून के मौसम में परेशान करने लगती हैं। तमाम लोग बरसात के मौसम में भी तैराकी करते हैं। इस कारण दूषित पानी के कान में जाने से कान की बीमारियां काफी बढ़ जाती है। इस मौसम में बारिश में भीगने या फिर वातावरण में नमी होने से जुकाम और गला खराब होने की आशंकाएं काफी बढ़ जाती हैं, जिनका असर कानों पर भी पड़ता है।

ऐसे करें बचाव

नहाते समय कान में रुई लगाकर पानी जाने से बचाएं। कान को ज्यादा साफ न करें। ऐसा इसलिए, क्योंकि इससे कान की त्वचा में चोट लगने और इसके बाद संक्रमण होने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं।

ठंडे पदार्थ के सेवन से बचें

बरसात के मौसम में ठंडे पदार्थों के अधिक सेवन से बचना चाहिए। जुकाम या गला खराब होने पर शीघ्र ही इनका इलाज कराएं।

स्वीमिंग के दौरान

तैराकी के समय ईयर प्लग का इस्तेमाल करना चाहिए। उपर्युक्त सुझावों पर अमल करने से बारिश के मौसम में कान से संबंधित बीमारियों से काफी हद तक बचा जा सकता है। जरूरत पड़ने पर नाक, कान व गला रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें।

सेहत के लिए लाभकारी है रामबुतान फल

यूं तो सभी फल सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं लेकिन क्या आपने रामबुतान फल के बारे में सुना है? कम ही लोग इस फल के बारे में जानते हैं। ये फल दिखने में लीची की तरह ही होता है. इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी, कॉपर, प्रोटीन, आयरन पाया जाता है. साथ ही 100 ग्राम रामबुतान फल में सिर्फ 84 कैलोरी पाई जाती हैं। इसके अलावा इस फल में एंटीऑक्सीडेंट गुण भी मौजूद हैं, जो शरीर से फ्री रेडिकल्स को बाहर निकालने में मदद करते हैं। इस फल के सेवन से कई गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रहा जा सकता है.

ये हैं रामबुतान फल के फायदे-

हड्डियों को मजबूत बनाता है- रामबुतान फल में भरपूर मात्रा में फास्फोरस पाया जाता है, जो हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद होता है. इसके सेवन से लंबे समय तक हड्डियां मजबूत रहती हैं।

डायबिटीज में फायदेमंद- एक अध्ययन के मुताबिक, इस फल के साथ इसका छिलका भी काफी गुणकारी है। इसके छिलके में एंटी-डायबिटिक गुण पाए जाते हैं, जो डायबिटीज की बीमारी में फायदेमंद साबित होते हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद

रामबुतान फल का बीज त्वचा को हेल्दी बनाने के काम करता है। इसके बीजों से बने पेस्ट को चेहरे पर लगाने से स्किन के दाग-धब्बे दूर होने के साथ स्किन में निखार भी आता है। ये फल त्वचा को हाइड्रेट करने का काम भी करता है। रोजाना चेहरे पर इसके बीज का पेस्ट लगाने से त्वचा कोमल और मुलायम बनती है. साथ ही लंबे समय तक त्वचा पर झुर्रियां भी नहीं पड़ती हैं।

हाजमे को बेहतर करता है

रामबुतान फल में मौजूद फाइबर डाइजेशन में सुधार करता है, जिससे कब्ज की समस्या दूर हो जाती है। इसमें मौजूद एंटी बैक्टीरियल गुण आंतों में मौजूद बैकटीरिया को नष्ट करते हैं।

कैंसर से सुरक्षित रखता है

कई गुणों से भरपूर रामबुतान फल में एंटीऑक्सीडेंट भी भारी मात्रा में मौजूद होते हैं, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने मदद करते हैं। इसमें मौजूद विटामिन-सी शरीर में मौजूद फ्री रेडिकल्स को नष्ट करके कैंसर से बचाव करते हैं। एक स्टडी के मुताबिक, रामबुतान फल के छिलकें शरीर कैंसर की कोशिकाओं को बनने से रोकते हैं। लिवर कैंसर में भी ये फल बहुत फायदेमंद होता है।

फ्राई चिकन और फिश हो सकती है जानलेवा

आप भी अगर फ्राई चिकन और फिश खाने के शौकीन हैं तो सावधान हो जाएं, क्योंकि आपका यह शौक आपके जीवन को खतरे में डाल सकता है। एक स्टडी की रिपोर्ट में बताया गया है कि नियमित तौर पर तली हुई मछली या चिकन खाने से गंभीर बीमारियां को सकती हैं

इस अध्ययन के मुताबिक, तली हुई मछली, चिकन या दूसरी तली हुई चीजों का कम सेवन करने से लोगों की सेहत में सुधार आ सकता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, कोई भी खाने की चीज जब तली जाती है, तो वो फैट एब्जॉर्ब कर लेती है। वहीं, तलने के बाद खाने की चीज ज्यादा क्रंची हो जाती है, जिसका लोग जरूरत से ज्यादा सेवन कर लेते हैं और कई बीमारियों की गिरफ्त में आ जाते हैं। तली हुई चीजों का अधिक सेवन करने से टाइप-2 डायबिटीज और दिल की बीमारी होने का खतरा अधिक होता है लेकिन यह पहली ऐसी स्टडी है, जिसमें तली हुई चीजों के सेवन का संबंध मौत के बढ़ते हुए खतरे से बताया गया है। इस स्टडी के लिए शोधकर्ताओं की टीम ने 50 से 79 वर्ष की लगभग 107,000 लोगों की खाने की आदतों की जांच की। इसमें स्टडी में शामिल सभी लोगों से पूछा गया कि वो किन चीजों को कितना सेवन करते हैं। तली हुई चीजों का अधिक सेवन करने से दिल की बीमारी का खतरा 12 फीसदी तक अधिक होता है।

बरसात में अमीबियासिस से करें बचाव

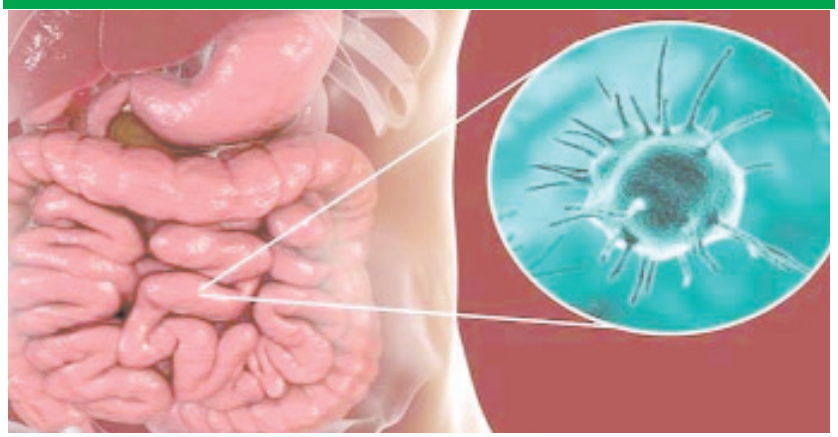

बारिश के मौसम आ गया है और इस मौसम में बीमारियों का फैलना आम बात है, क्योंकि यह मौसम संक्रमण के लिए अनुकूल है। इस मौसम की कई बीमारियों के बारे में आप जानते होंगे, लेकिन अमीबियासिस के बारे में कम ही लोग जानते हैं ज़ि?से अमरबारुग्णता भी कहा जाता है।

यह बारिश में आसानी से फैलने वाली बीमारी है। इससे बचने के लिए आपको यह जानना बेहद जरूरी है-

कारण: परजीवी जीवाणु से होने वाला अमीबियासिस, प्रमुख रूप से एक जलजनित रोग है, जो संक्रमित पानी पीने एवं दूषित व कीटाणु युक्त खाद्य पदार्थों के सेवन से होता है। यह उन जगहों पर ज्यादा होती है जहां ठीक से साफ सफाई न हो या भरपूर भोजन पानी न मिलता हो। भोजन निर्माण एवं संग्रहण से संबंधित समस्त तत्व शुद्धता तथा कीट से बचाव पर केंद्रित होते हैं।

कैसे होता है संक्रमण: आसानी से फैलने वाले इस संक्रमण में प्रोटोजोन, एंट-अमीबा हिस्टोलाइटिका, बड़ी आंत को अपना घर बनाता है और उसे संक्रमित कर आपको बीमार बना देता है। यह एक कोशीय जीवाणु बड़ी आंत के अतिरिक्त लीवर, फेफड़ों, हृदय, मस्तिष्क, वृक्क, अंडकोष, अंडाशय, त्वचा आदि तक में पाया जा सकता है।

लक्षण: पतले दस्त, उल्टी होना, जी मचलाना, पेट फूलना, परिवर्तित पाखाने की आदत, भोजन पश्चात दस्त, बुखार, पेट में रुक-रुक कर दर्द, कब्ज या बारी-बारी से दस्त, थकान, वजन का एकदम कम होना, भूख न लगना, अपच वायु-विकार इसके प्रमुख लक्षणों में शामिल हैं।

उपचार-

(1) नारियल पानी का सेवन करें।
(2) काली चाय बनाकर पिएं।
(3) जाम, पपीते जैसे फलों का सेवन करें।
(4) बेल और अखरोट का सेवन लाभकारी होगा।

पेयजल में क्लोरिवेट दवा डालें या पानी को उबालकर शुद्ध करके ही पिएं।

इसके अलावा चिकित्सक की सलाह से दवाएं लें।

अमेरिका बुरे वक्त का साथी नहीं

सनत जैन

अमेरिका का पिछले 70 वर्षों का इतिहास देखें तो अमेरिका के ऊपर जिन-जिन देशों ने भरोसा किया, जब उनके सामने मुसीबतें आई तो अमेरिका ने उनका साथ नहीं दिया। अमेरिका ने मित्र देशों को मझधार में छोड़ने का काम किया। सही मायने में अमेरिका एक साहूकार है, जो अपने फायदे के लिए दुनिया के देशों में निवेश करता है। उसका फायदा उठाता है, ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने के लिए वह मित्र देश को दूसरे देश से लड़ाता है। मित्र देश को हथियार और कर्ज देकर फायदा उठाता है। जब मतलब निकल जाता है, तब उस देश को मझधार में छोड़कर महाशक्तियों के साथ सुलह कर अपने अस्तित्व को बनाए रखता है। अमेरिकी नीति में ना तो उसका कोई स्थाई मित्र होता है ना उसका कोई स्थाई शत्रु होता है। अमेरिका का सबसे पुराना सहयोगी फ्रांस है। जिसने ब्रिटेन से आजादी की लड़ाई में अमेरिका का साथ दिया था, उसके बाद भी अमेरिका ने फ्रांस के साथ विश्वासघात कर दिया। अमेरिका ने ऑस्ट्रेलिया को परमाणु शक्ति संपन्न पनडुब्बियों का सौदा कर दिया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने रातों-रात फ्रांस से पनडुब्बियां खरीदने का 60 अरब डालर का सौदा रद्द कर दिया। इससे फ्रांस को तगड़ा आर्थिक झटका लगा है। 1972 में रिचर्ड निक्सन और हेनरी किसिंजर की चीन यात्रा में 30 साल तक लंबा प्रेम संबंध स्थापित हुआ। रूस के खिलाफ दोनों देश एकजुट हो गए। सोवियत संघ जब बिखर गया, तो अमेरिका ने चीन को भी धता बताने में देर नहीं की। पिछले 70 सालों का इतिहास देखें, तो अमेरिका ने हमेशा अपने आर्थिक और सामरिक हितों का संवर्धन करने के लिए दुनिया भर के देशों को एक दूसरे से लड़ाया और आर्थिक और सामरिक लाभ प्राप्त किया। जब कुछ देने का समय आया उस समय अमेरिकी साहूकार ने साथ छोड़ने में 1 मिनट का भी विलंब नहीं किया। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में आतंकी लड़ाई में अमेरिका ने पाकिस्तान को तो धोखा दिया ही, भारत को भी परेशानी में डाल दिया। स्वतंत्र भारत में जवाहरलाल नेहरू से लेकर प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह तक जितने भी प्रधानमंत्री बने। उन्होंने अमेरिका के साथ अपने रिश्ते बड़े सीमित रखे। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में जिस तरह से रूस ने आगे बढ़कर भारत का साथ दिया था, उसकी मिसाल आज भी दी जाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के साथ दोस्ताना संबंध बढ़ाने के लिए वह सब कुछ किया जो भारत की विदेश नीति के लिए ठीक नहीं था। उसके बाद भी जिस तरीके से अमेरिका, भारत को समय-समय पर दबाव में लाकर अपने हितों का संवर्धन करता रहा। भारत ने अपनी सामरिक जरूरत के अनुसार जैसे ही रूस से कुछ हथियार खरीदे। प्रतिबंध के दौरान रूस से तेल का आयात किया, उसके बाद अमेरिका ने भारत को अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। अमेरिकी थिंक टैंक भी समय-समय पर भारत में प्रेस की आजादी पर रोक, लोकतंत्र पर बढ़ते खतरे, इस्लामोफोबिया और सामरिक दृष्टि से भारत को कमजोर करने के लिए तरह-तरह की साजिश कर रहा है। डॉलर, मुद्रा, वीजा और पाकिस्तान को हथियार और कर्ज देकर अमेरिका ने अपनी औकात दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह से ट्रम्प का समर्थन किया था, उससे भी वर्तमान राष्ट्रपति बाइडेन नाराज है। भारत को समय रहते समझने की जरूरत है। अमेरिका के ऊपर कितना विश्वास किया जाए और किस तरीके से भविष्य में संबंध रखे जाएं। एक तरफा प्रेम कहीं भारत को भारी ना पड़ जाए।

गुरुओं के लिए आजन्म शिष्य ही रहे डॉ कलाम

कुमार कृष्णन

15 अक्टूबर को पूर्व राष्ट्रपति डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम का जन्म दिन है। बिहार के मुंगेर स्थित विश्व प्रसिद्ध बिहार योग विद्यालय से उनका गहरा नाता रहा । वहां के गुरुओं के लिए वह आजन्म शिष्य ही रहे। वे राष्ट्रपति रहते अपने गुरु स्वामी शिवानंद सरस्वती के शिष्य परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती द्वारा स्थापित बिहार योग विद्यालय में दो बार गए। पर राष्ट्रपति के रूप में नहीं, शिष्य के रूप में। पूरी दुनिया में प्रखर शिक्षक के रूप में प्रसिद्ध भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम बिहार के मुंगेर स्थित विश्व प्रसिद्ध बिहार योग विद्यालय के गुरुओं के लिए आजन्म शिष्य ही रहे। वे राष्ट्रपति रहते अपने गुरु स्वामी शिवानंद सरस्वती के शिष्य परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती द्वारा स्थापित बिहार योग विद्यालय में दो बार गए। पर राष्ट्रपति के रूप में नहीं, शिष्य के रूप में।

मजेदार वाकया हुआ। डॉ. कलाम ने राष्ट्रपति बनने के कुछ समय बाद ही बिहार योग विद्यालय में जाने की इच्छा व्यक्त की। इस बात से योग विद्यालय के व्यस्थापकों को अवगत कराया गया तो एक समस्या खड़ी हुई कि आश्रम के भीतर प्रोटोकॉल का पालन कैसे होगा? कहते हैं कि राष्ट्रपति भवन को जब इस स्थिति से अवगत कराया गया तो वहां से जबाव मिला कि राष्ट्रपति जी आश्रम के भीतर शिष्य के नाते जाना चाहेंगे। लिहाजा कैंपस में कोई प्रोटोकॉल नहीं होगा। ऐसा हुआ भी।

दरअसल बिहार योग विद्यालय के प्रति उनके विशेष अनुराग के पीछे एक घटना है। महासमाधिलीन परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती के गुरू स्वामी शिवानंद सरस्वती ऋषिकेश में अपने आश्रम में रहते थे। उसी ऋषिकेश आश्रम में एक ऐसी घटना हुई कि कलाम का जीवन-दर्शन ही बदल गया। वाकया कलाम ने खुद बताया। कलाम के अनुसार, वायु सेना चयन बोर्ड में दूसरा इंटरव्यू देने के लिए मैं देहरादून गये। चयन बोर्ड में बुद्धि के बजाय व्यक्तित्व पर ज्यादा जोर था। शायद वे स्पष्ट तौर पर शारीरिक योग्यता को ही देख रहे थे। परिणामत- वायुसेना के लिए पच्चीस में से जिन आठ उम्मीदवारों का चयन हुआ, उसमें मैं नौवें नंबर पर ही आकर अटक गया। इसे लेकर मेरे भीतर एक गहरी हूक- सी उठी। किंकर्तव्यविमूढ़-सा हो गया मैं। मैं चयन बोर्ड से बाहर आ गया और एक चट्टान के किनारे पर खड़ा हो गया। नीचे एक झील थी ऊंचाई से एक झरना गिर रहा था। कभी झील झिलमिलाती,कभी झरना स्थिर दिखता। मुझे पता था कि आनेवाले दिन काफी मुश्किल भरे होंगे। ऐसे कई सवाल थे ,जो जवाब चाहते थे। ऊहापोह में उलझा मैं ऋषिकेश आ गया। मैनें गंगा में स्नान किया और इसकी शुद्धता का आनंद लिया। ज्सके बाद मैं छोटी सी पहाड़ी पर बने शिवानंद आश्रम में गया। जब मैंने आश्रम में प्रवेश किया तो मुझे तीव्र कंपन महसूस हुए। मैंने देखा कि चारों ओर बड़ी संख्या में साधु समाधि लगाए बैठे हैं। मैंने पढ़ा था कि साधु आत्मिक व्यक्ति होते हैं, वे व्यक्ति, जो अपने अंतर्ज्ञान से ही सब कुछ जान लेते हैं। अपने उदासी के क्षणों में ही मैं उन सवालों का जवाब खोजने चला, जो मुझे परेशान किये हुए थे। मैं स्वामी शिवानंद से मिलाज बिल्कुल भगवान बुद्ध की तरह दिखनेवाले। मैंने स्वामी जी को अपना परिचय दिया। मैं और आगे कुछ बोल पाता, इससे पहले ही उन्होंने मेरी उदासी का कारण पूछ लिया। उन्होंने कहा ,'यह मत पूछना कि मैंने यह कैसे जाना कि तुम उदास हो।' और फिर मैंने उनसे यह नहीं पूछा। मैंने अपनी असफलता के बारे में बताया। उन्होंने मुस्कराते हुए मेरी सारी चिंताएं दूर कर दीं और फिर धीमें तथा गहरे स्वर में कहा ' इच्छा जो तुम्हारे हृदय और अंतरात्मा से उत्पन्न होती हो , जो शुद्ध और मन से की गई हो, एक विस्मित कर देनेवाली विद्युत-चुंबकीय ऊर्जा लिए होती है। यही ऊर्जा हर रात को, जब मस्तिष्क सुषुप्त अवस्था में होता है आकाश में चली जाती है। हर सुबह यह ऊर्जा ब्रह्मांडीय चेतना लिये वापस शरीर में प्रवेश करती है। जिसकी परिकल्पना की गई है, वह निश्चित रूप से प्रकट होती नजर आएगा। नौजवान, तुम इस तथ्य पर उसी तरह अनंत काल तक भरोसा कर सकते हो जैसे तुम हमेशा सूर्योदय के अकाट्य सत्य पर भरोसा करते हो। अपनी नियति को स्वीकार करो और जाकर अपना जीवन अच्छा बनाओ। नियति तुम्हें जो बनाना चाहती है, उसके बारे में अभी कोई भी बता सकता है; लेकिन नियति को तुम्हें यहां लाना ही था। अपने को ईश्वर की इच्छा पर छोड़ दो।'

स्वामी शिवानंद ने कहा। इस घटना की चर्चा उन्होंने अपनी पुस्तक 'अग्नि की उड़ान' में की है। राष्ट्रपति रहते हुए वे दो बार मुंगेर आए। पहली बार डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम 31 मई 2003 को मुंगेर आए। बिहार योग विद्यालय में बच्चों के निमंत्रण पर दूसरी बार 14 फरवरी को मुंगेर आए।

कलाम के व्यक्तित्व व कृतित्व पर होने वाली चर्चा से खासतौर पर देश के बच्चों और युवाओं को प्रेरणा मिलती। उन्हें पता चलता कि अपने सम्पूर्ण ज्ञान, योग्यता को देश के प्रति समर्पित करने वाला ही महान होता है। उन्होंने मिसाइल और परमाणु परीक्षण में उल्लेखनीय योगदान दिया। यह देश की सुरक्षा के लिए उनका प्रयास था। वह देश को स्वाभिमानी व शक्तिशाली बनाना चाहते थे। जीवन भर उसके लिये चलते रहे। जीवन के इस पथ पर उन्होंने विश्राम नहीं किया। अंतिम समय में भी वह भावी पीढ़ी को देशभक्ति का पाठ पढ़ा रहे थे। वह देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हुए, लेकिन कभी उन्होंने किसी पद के लिये लॉबिंग नहीं की। वह कर्म पर विश्वास करते थे। फल के प्रति आशक्ति नहीं थी। दुबारा राष्ट्रपति बनने की बात आई तो उन्होंने साफ कहा कि सर्वसम्मति होने पर विचार करेंगे।

देश का सर्वोच्च पद धारण करने के बाद उन्होंने ज्यों की त्यों धर दीन्हीं चदरिया। उनके ना रहने पर एक प्रसंग की अवश्य देश में चर्चा होनी चाहिए थी। राष्ट्रपति भवन देखने की इच्छा सभी में हो सकती है। जिसका भाई, चाचा, भतीजा आदि राष्ट्रपति हो तो वह यह मोह कैसे रोक सकता है। ऐसे ही कलाम जी के 52 रिश्तेदार राष्ट्रपति भवन देखने आये, कुछ दिन रुके। यहां तक सब कुछ सामान्य था। पहले भी ऐसा होता रहा है। पारिवारिक अतिथि जब राष्ट्रपति भवन से विदा हुए तो कलाम जी ने अपने वेतन से तीन लाख बावन हजार का चेक काटकर सरकारी खजाने में जमा किया। यह अतिथियों पर हुए खर्चों की निजी रूप में भरपाई थी। वह ऐसा ना करते तब भी उनकी ईमानदारी पर प्रश्न नहीं उठता। उनके पास अपना कुछ था ही नहीं। उन्होंने कभी पूंजी का मोह किया ही नहीं। लेकिन उन्होंने अपने पारिवारिक अतिथियों का खर्च उठाना भी ईमानदारी व नैतिकता के दायरे में माना।

जब तक वह जीवित रहे, बच्चों और विद्यार्थियों को समझाते रहे, प्रेरणा देते रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद भी उन्होंने अपना यह कार्य छोड़ा नहीं। वरन कई बार वह सर्वोच्च पद की औपचारिकता छोड़ देते थे। उन्हें लगता था कि बच्चों में राष्ट्र प्रेम का भाव जागृत करना आवश्यक है। यही देश का भविष्य बनायेंगे। ऐसा कम ही लोगों के साथ होता है, कि अपने ध्येय पथ पर चलते हुए ही उसके जीवन का अंत हो।

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ।

जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहें, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मों को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वंद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वंद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वंद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वंद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वत- समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई।

दुनिया को नहीं चाहिए हिज़ाब तो भारत में क्यों विवाद?

डॉ राघवेंद्र शर्मा

ईरान से शुरू हुआ हिजाब का विवाद अब क्या एशिया और क्या यूरोप, सारी दुनिया को अपनी चपेट में लेता जा रहा है। हालत यह हैं कि जिन मुस्लिम महिलाओं को दकियानूसी परंपराओं में बांधने के पारंपरिक प्रयास किए जा रहे थे, जिन्हें केवल और केवल मजहबी रीति-रिवाजों का पालन मात्र करने वाला वर्ग कहा जा रहा था, वही महिलाएं अब हिजाब तो हिजाब अपनी चुन्नियां और दुपट्टे भी हवा में उछाल रही हैं। इन सब का एक ही ऐलान है कि हमें हिजाब नहीं कल्पनाओं में विकास के रंग भरने के लिए खुला आसमान चाहिए। यह बात और है कि कट्टपंथी नेताओं को उनकी यह मांग रास नहीं आ रही है। लेकिन हिजाब के विरोध में जिस तीव्र गति से आंदोलन बढ़ रहे हैं, उनसे एक बात स्पष्ट हो चली है कि अब मुस्लिम महिलाओं ने भी अपने अधिकार जान लिए हैं और स्वयं को इस लायक समझने लगी हैं कि अपने दायित्वों को अब हमें खुद तय करना है?। इन का निर्धारण कोई दूसरा व्यक्ति नहीं कर सकता। भविष्य के प्रति खुलेपन का भरोसा इसलिए भी आशाओं की नई उजास पैदा कर रहा है, क्योंकि अब इस आंदोलन को मुस्लिमों के अलावा दुनिया भर की सभी वर्गों की महिलाओं का समर्थन मिलना शुरू हो गया है। फल स्वरूप उस ईरान के हाकिम भी असमंजस में हैं जिनकी बेफिजूल जिद के चलते महिलाओं को अपने अधिकारों को प्राप्त करने और जबरदस्ती थोपी गई पर्दा प्रथा को ठुकराने के लिए सामने आकर मोर्चा लेना पड़ गया। जिद पर अड़े शासन ने जब जोर आजमाइश का रास्ता अपनाया तो महिलाएं और लड़कियां अपने अधिकारों के लिए जान दांव पर लगाने को तैयार हो गईं। इसके बावजूद महिलाओं की भावनाओं को अनदेखी करते हुए जब उनकी जान से खेलने के प्रयास आम हुए तो फिर मानो फूस को आग ही मिल गई। अब नतीजा यह है कि दुनिया भर की मुस्लिम लड़कियां और महिलाएं हिजाब फेंककर बाजारों और चौराहों पर आ गई हैं। भारतीय परिवेश को लेकर बात की जाए तो हिजाब का मुद्दा यहां कुछ अलग स्वरूप लिए हुए नजर आता है। हमने हाल ही में देखा कि दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में हिजाब को मुद्दा बनाने के बेहद आक्रामक प्रयास हुए। प्रायोजित आंदोलनों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शित किया गया मानो मुस्लिम समाज की बहन बेटियां खुद खुले में सांस लेना नहीं चाहतीं। इसी प्रोपेगंडा के तहत उनसे विभिन्न विरोध प्रदर्शन कराए गए और इस देश के संविधान पर मजहबी रीति रिवाज थोपने के कुत्सित प्रयास किए गए। एक प्रकार से देखा जाए तो भारत में हिजाब पहनने का अधिकार प्रदान किए जाने संबंधी आंदोलन की आवश्यकता थी ही नहीं। क्योंकि हमारे संविधान में हिजाब ना पहना जाए, इस आशय का कोई कानून अस्तित्व में है ही नहीं। किंतु शत्रु देशों की शह पर कुछ मुस्लिम स्कॉलर सदैव ही भारत को वैश्विक स्तर पर अधिकतम विवाद में बनाए रखना चाहते हैं। इनका एक ही एजेंडा होता है कि येन केन प्रकारेण हमारे देश की छवि दुनिया की नजरों में खराब होनी चाहिए। बस इसी बद नीयति के चलते कभी धरना प्रदर्शन तो कभी आगजनी और हत्याकांड जैसे षड्यंत्रों को अंजाम दिए जाने का दौर अस्तित्व में बना रहता है। इन कृत्यों की जितनी निंदा की जाए कम है। क्योंकि लोकतांत्रिक देश में जोर जबरदस्ती और कानून व्यवस्था को चुनौती दिए जाने संबंधी हरकतों को कभी भी मान्यता नहीं दी जा सकती। यहां सभी जातियों संप्रदायों को अपने रीति रिवाज अनुसार रहने, पहनने और पूजा पद्धति अपनाए जाने की खुली छूट संविधान से मिली हुई है। हिजाब का पहनना अथवा नहीं पहना जाना भी भारतीय संविधान के तहत विवादों से परे ही है। जहां तक विभिन्न संस्थाओं और संस्थानों की बात है तो उनके परिसरों में वही कानून कायदे मानने होंगे जो उन्हें संविधान अंतर्गत प्रदत किए गए हैं, यह परंपरा लंबे समय से स्वस्फूर्त होकर सभी के द्वारा लंबे समय से निभाई भी जा रही है। किंतु पीएफआई जैसे संगठनों को देश में अमन चैन की सूरत कांटों की तरह चुभती है। जिसके चलते यह और इनके जैसे कई संगठन केवल और केवल झगड़ा फसाद खड़ा करने की फिराक में बने रहते हैं। हिजाब मामला भी उन्हीं में से एक है। वरना क्या कारण है कि मुस्लिम देशों में भी महिलाओं और लड़कियों द्वारा हिजाब का खुलकर विरोध किया जा रहा है।

विकसित देशों की तुलना में भारत में तेजी से कम हो रही है गरीबी

प्रहलाद सबनानी

विकसित देशों के कुछ अर्थशास्त्रियों ने भारत के विरुद्ध जैसे एक अभियान ही चला रखा है और भारत के आर्थिक विकास को वे पचा नहीं पा रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था ने अप्रेल-जून 2022 तिमाही में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है और वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत 8 प्रतिशत की विकास दर हासिल करने जा रहा है। इस प्रकार भारत न केवल आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था बन गया है बल्कि भारत आज विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, फिर भी इन अर्थशास्त्रियों द्वारा मानव विकास सूचकांक में भारत को श्रीलंका से भी नीचे बताया जाना, आश्चर्य का विषय है। यह विरोधाभास इन अर्थशास्त्रियों को कहीं दिखाई नहीं दे रहा है, जबकि श्रीलंका की हालत तो जग जाहिर है एवं आर्थिक दृष्टि से भारत एवं श्रीलंका की तुलना ही नहीं की जा सकती है। आर्थिक विकास के साथ मानव विकास भी जुड़ा है। भारत में आर्थिक विकास तो तेज गति से हो रहा है परंतु इन अर्थशास्त्रियों की नजर में भारत में मानव विकास में लगातार गिरावट आ रही है। यह एक सोचनीय विषय है।

अभी हाल ही में संयुक्त राष्ट्र डेवलपमेंट प्रोग्राम ने मानव विकास सूचकांक (एचडीआर) प्रतिवेदन 2021-22 जारी किया है। एचडीआर की वैश्विक रैंकिंग में भारत 2020 में 130वें पायदान पर था और 2021 में 132वें पर आ गया है, ऐसा इस प्रतिवेदन में बताया गया है। मानव विकास सूचकांक का आंकलन जीने की औसत उम्र, पढ़ाई, और प्रति व्यक्ति आय के आधार पर किया जाता है। कोरोना महामारी के खंडकाल में भारत का इस सूचकांक में निचले स्तर पर आना कोई हैरान करने वाली बात नहीं होनी चाहिए। परंतु, वर्ष 2015 से वर्ष 2021 के बीच भारत को एचडीआर रैंकिंग में लगातार नीचे जाता हुआ दिखाया जा रहा है। जबकि, इसी अवधि में चीन, श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई, भूटान और मालदीव जैसे देशों की रैंकिंग ऊपर जाती हुई दिखाई जा रही है। श्रीलंका, बांग्लादेश एवं मालदीव जैसे देशों की आर्थिक स्थिति के बारे आज हम अनभिज्ञ नहीं है।

इसी प्रकार इन अर्थशास्त्रियों द्वारा भारत में गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों की संख्या को भी बढ़ाचढ़ा कर पेश किया जा रहा है। इनके अनुसार, भारत के 23 करोड़ लोग प्रतिदिन 375 रुपए से भी कम कमाते हैं। भारत की जनसंख्या यदि 140 करोड़ मानी जाय तो देश की कुल जनसंख्या के 16.42 प्रतिशत नागरिक 375 रुपए से कम कमा रहे हैं, जबकि विश्व बैंक द्वारा हाल ही में इस सम्बंध में जारी किए गए आंकड़े कुछ और ही कहानी कह रहे हैं। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओ में आज भारत के ऊपर अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी आते है। अगर इन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गरीबी के आकडें देखे तो कई चौकाने वाले खुलासे सामने आते है। सबसे पहले अगर अमेरिका की बात की जाय तो अमेरिका की कुल आबादी के 11.4 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। जबकि अमेरिका को विश्व का सबसे अमीर एवं विकसित देश माना जाता है। चीन के सम्बंध में तो कोई वास्तविक आंकड़े सामने आते ही नही है, अत: चीन की बात करना ठीक नहीं होगा। जर्मनी में भी स्थिति अमेरिका जैसी ही है। कुल आबादी में से 15.5 प्रतिशत नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हैं। जापान के सम्बंध में वर्ष 2020 में आई एक खबर के अनुसार जापान में गरीबों की संख्या बढ़ रही है एवं मध्यमवर्गीय लोगों की संख्या कम हो रही है। जापान में 15.7 प्रतिशत नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। यह भी एक चौकाने वाली बात है कि विश्व के सबसे अमीर देशों की सूची में अमेरिका में सबसे ज्यादा आत्महत्याएं होती है। जबकि विश्व की सबसे बड़ी उछ चार अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत में सबसे कम आत्महत्याएं होती है। यह भी मानव विकास सूचनांक का एक अवयव है, परंतु मानव विकास सूचकांक में भारत की लगातार गिरती स्थिति ही दर्शाई जाती है।

सूडोकु नवताल- 6221

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6220 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

हिज़ाब मजहबी सवाल है ही नहीं

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

हिज़ाब को लेकर आजकल सर्वोच्च न्यायालय में जमकर बहस चल रही है। हिज़ाब पर जिन दो न्यायाधीशों ने अपनी राय जाहिर की है, उन्होंने एक-दूसरे के विपरीत बातें कही हैं। अब इस मामले पर कोई बड़ी जज-मंडली विचार करेगी। एक जज ने हिज़ाब के पक्ष में फैसला सुनाया है और दूसरे ने जमकर हिज़ाब के विरोध में तर्क दिए हैं। हिज़ाब को सही बतानेवाला जज कोई मुसलमान नहीं है। वह भी हिंदू ही है। हिज़ाब के मसले पर भारत के हिंदू और मुसलमान संगठनों ने लाठियां बजानी शुरु कर रखी हैं। दोनों एक-दूसरे के विरुद्ध बयानबाजी कर रहे हैं। असल में यह विवाद शुरु हुआ कर्नाटक से! इसी साल फरवरी में कर्नाटक के कुछ स्कूलों ने अपनी छात्राओं को हिज़ाब पहनकर कक्षा में बैठने पर प्रतिबंध लगा दिया था। सारा मामला वहां के उच्च न्यायालय में गया। उसने फैसला दे दिया कि स्कूलों द्वारा बनाई गई पोषाख-संहिता का पालन सभी छात्र-छात्राओं को करना होगा लेकिन मेरा निवेदन यह है कि हमारे नेतागण, हमारे जज महोदय और स्कूलों के अधिकारी हिज़ाब के मसले में बिल्कुल गलत राह पर चल रहे हैं। उन्होंने सारे मामले को मजहबी बना दिया है। यह मामला ईरान या सउदी अरब में तो मजहबी हो सकता है लेकिन भारत में तो यह शुद्ध पहचान का मामला है। हिज़ाब, उसको पहननेवाली महिला की पहचान को छिपा लेता है। बस, इसीलिए स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। हिज़ाब और बुर्के की आड़ में आतंकी, तस्कर, डकैत, अपराधी लोग भी अपना धंधा चलाते हैं। यदि मुसलमान औरतों पर हिज़ाब अनिवार्य है तो मैं पूछता हूं कि मुसलमान मर्दों पर क्यों नहीं है? यह स्त्री-पुरुष समानता का युग नहीं है क्या? यदि सिर्फ मजहबी होने के कारण हिज़ाब पर प्रतिबंध होना चाहिए तो हिंदू औरतों के टीके, सिंदूर, चूड़ियों, सिखों के केश और साफे तथा ईसाइयों के क्रॉस पर प्रतिबंध क्यों नहीं होना चाहिए? मुझे तो आश्चर्य यह है कि नेता और अफसर असली मुद्दों पर बहस करने की बजाय नकली मुद्दों पर बहस चला रहे हैं लेकिन हमारे जज भी उन्हीं की राह पर चल रहे हैं। वे तो सुशिक्षित, अनुभवी और निष्पक्ष होते हैं। वे भी सही मुद्दों पर बहस क्यों नहीं चला रहे हैं? मेरी राय में दोनों जजों और अब जजों की बड़ी मंडली को इस मुद्दे पर बहस को केंद्रित करना चाहिए कि सबको अपनी संस्था की पोषाख-संहिता का पालन तो करना ही होगा लेकिन किसी को भी अपनी पहचान छिपाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। दुनिया के ज्यादातर मुस्लिम देशों में भी हिज़ाब अनिवार्य नहीं है। ईरान में तो हिज़ाब के खिलाफ खुली बगावत छिड़ गई है। कुरान शरीफ में कहीं भी हिज़ाब को अनिवार्य नहीं कहा गया है।

गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ देवेन्द्रनगर का प्रथम गौरव दिवस

सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित नगर की प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा

कलेक्टर व एसपी ने की कार्यक्रम की सराहना

देवेंद्रनगर- नगर परिषद देवेंद्रनगर द्वारा अजयगढ़ रियासत के महाराज सवाई स्वर्गीय सुरेंद्र विक्रम सिंह जू देव की जन्मजयन्ती 12 अक्टूबर के दिन देवेन्द्रनगर का गौरव दिवस समारोह आशीर्वाद गार्डन में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ ।

अतिथियों पन्ना कलेक्टर संजय मिश्रा,पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीना,कुँवर सवाई तरुणनेंद्र विक्रम सिंह जू देव, श्रीमती मीना राजे जिला पंचायत अध्यक्ष,अंकुर त्रिवेदी भाजपा जिला उपाध्यक्ष पन्ना,शिवांगी गुप्ता अध्यक्ष नगर परिषद द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और कन्या पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। और इस अवसर पर विशेष रूप से रियासत बेरी स्टेट उत्तर प्रदेश की राजकुमारी कृष्णा कुमारी एवं राजा साहब रविन्द्र सिंह व रानी साहब पूर्णिमा सिंह गरौली स्टेट का शुभागमन भी हुआ। नगर परिषद की अध्यक्ष शिवांगी गुप्ता और मुख्य नगर पालिका अधिकारी दिनेश कुमार जड़िया ने नगर वासियों की ओर से गुलदस्ता भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया।गौरव दिवस के इस अवसर पर अतिथियों द्वारा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों सहित अनुपस्थित रहने वाले प्रतिभाओं के माता पिता व परिवारजनों का सम्मान किया गया जिनमें कु.पूजा सोनी/महेश सोनी,कु.रमशा उस्मानी/अरशद उस्मानी,कु.अंजली प्रजापति/सीताराम प्रजापति,कु.अंशिका जैन/अखलेश जैन,ज्ञानेंद्र सिंह

यादव/कृष्णपाल सिंह यादव,अनुराग सिंह राजपूत/अर्जुन सिंह राजपूत को गुलदस्ता और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। मंच पर लगी बड़ी स्क्रीन पर देवेन्द्रनगर की विकास यात्रा को प्रदर्शित करती प्रमित अग्रवाल द्वारा निर्देशित डाक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया। वही पन्ना जिले में सबसे स्वच्छ नगर का इंडियन स्वच्छता लीग खिताब भी इस बार देवेन्द्रनगर को ही मिला । इस सन्दर्भ में स्वच्छ पर्यावरण रखने की प्रेरणा देती डाक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई । इस अवसर पर नगर के स्वच्छता दल को सम्मानित भी किया गया। अतिथियों के सारगर्भित उद्बोधन ने दर्शकों को प्रभावित किया ।कार्यक्रम मे विशेष रूप से उपस्थित खेरमाई प्रोडक्शन पन्ना के कलाकारों ने राजेन्द्र नामदेव के निर्देशन में सॉस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।समारोह की मंचीय उद्बोषणा आकाशवाणी भोपाल के उद्घोषक डॉ अरविन्द सोनी द्वारा की गई। अतिथियों द्वारा नगर गौरव के रूप में उनका सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम को उपयोगी बनाने में प्रमित अग्रवाल व रमेश अग्रवाल की सराहनीय भूमिका रही। उपस्थित अथितियों का आभार सीएमओ दिनेश जड़िया ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रेमनारायण सिंह तहसीलदार,जयहिंद शर्मा थाना प्रभारी,शारदा खटीक अध्यक्ष नगर परिषद अमानगंज,महेंद्र बागरी पूर्व विधायक,संतोष सिंह यादव उपाध्यक्ष जिला पंचायत,माधवेन्द्र सिंह परमार,हरदेव सिंह परमार,रामेश्वर गुप्ता,श्रीमती अजया सिंह,रामखिलावन बागरी पूर्व एसडीएम, अरविंद सिंह परमार,शम्भू सोनी,अनिल सिंह ,महाराज सिंह,कल्पना जैन,कलमत आदिवासी,सपना यादव,वर्षा जायसवाल,रुबीना उस्मानी,सतीश जैन,ललित गुप्ता,प्रमित अग्रवाल,रमेश अग्रवाल,एस एस बुंदेला स्वच्छता निरीक्षक,एम एस बुंदेला उपयंत्री,प्रदीप गुप्ता पार्षद,रेशु राजा,हीराजी पटेल,अरशद उस्मानी,शादाब खान,आमिर वारसी,विनोद गुप्ता,रामरूप शुक्ला,विजय व्यास,सुधीर अग्रवाल,कैलाश पाण्डेय,देवेंद्र कुशवाहा,गौरीशंकर कुशवाहा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

एक अलग अंदाज में थाना प्रभारी अम्बाह ने चलाया चेकिंग अभियान...

वाहन चालकों को पढ़ाया यातायात के नियमों का पाठ...

केशब पंडित जी अम्बाह...

मुरैना... पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी एवमं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायसिह नरबरिया के निर्देशन में व अम्बाह डीएसपी परिमाल सिह मेहरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अम्बाह जितेन्द्र नगाइच ने आज यातायात सप्ताह दिवस के अवसर पर पोरसा रोड चौराहे पर चेकिंग अभियान चलाया थाना प्रभारी अम्बाह ने एक अलग ही अंदाज में दिखे उन्होंने बिना हेलमेट के गुजरने बाले सभी यात्रियों को रोका कुर्सी पर बैठाया फिर सबको उनके जीवन की सुरक्षा व परिवार की जिम्मेदारी की याद दिलाते हुए यातायात के नियमों का पाठ पढ़ाया उन्होंने कहा

कि हम चालान नही काट रहे सिर्फ समझा रहे है जितने में आप हमारा चालान कटबा रहे है उतने में आप हेलमेट ले सकते है जिससे आपके जीवन के साथ साथ पुलिस चेकिंग में कटने बाले चालान से भी बचा जा सकता है इसलिए अपने ओर अपने परिवार की सुरक्षा के लिए संकल्प ले कि आज से बिना हेलमेट के कभी गाड़ी नही चलाएंगे ओर न ही अपने नाते रिस्तेदारों,पड़ोसियों को चलाने देंगे और न अपने नाबालिग बच्चों को गाड़ी चलाने के लिए देंगे जब तक कि बो ब्यस्क होकर लायसेंस न बनबा लें इस मौके पर सहायक उपनिरीक्षक बिबेक शर्मा व पंकज यादव ,प्रधान आरक्षक लज्जाराम,आरक्षक आन्नद शर्मा प्रमुख रूप से मौजूद रहे

थाना प्रभारी ने सभी को बताए यातायात के ये नियम

1-सड़क पर चलने वाले सभी व्यक्तियो को अपने बाँये तरफ होकर चलना चाहिये खासतौर से चालक को और दूसरी तरफ से आ रहे वाहन को जाने देना चाहिये..!

2-चालक को सड़क पर गाड़ी घुमाते समय गति धीमी रखनी चाहिये..!

3-अधिक व्यस्त सड़कों और रोड जंक्शन पर चलते समय ज्यादा सावधानी बरतें..!

4-दुपहिया वाहन चालकों को अच्छी गुणवत्ता वाले हेलमेट पहनने चाहिये जिससे उनकी जान माल को खतरा न रहे..!

5-गाड़ी की गति निर्धारित सीमा तक ही रखें खासतौर से स्कूल,हॉस्पिटल,कॉलोनी आदि क्षेत्रों में..!

6-सड़कों पर चलने वाले सभी लोगों को रोड पर बने निशान और नियमों की अच्छे से जानकारी हो..!

पांच किलो गांजा के साथ दो नाबालिग गिरफ्तार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रायपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय श्री प्रशांत अग्रवाल द्वारा रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों सहित प्रभारी एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट को नशे का काला कारोबार करने वाले कारोबारियों की पतासाजी कर कार्यवाही करने एवं इस पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये है। जिस पर समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट की टीम द्वारा मुखबीर लगाकर, पेट्रोलिंग व सूचना संकलन कर नशे का कारोबार करने वाले कारोबारियों के संबंध सूचना एकत्रित की जा रही है। इसी तारतम्य में दिनांक 12.10.2022 को सूचना प्राप्त हुई कि थाना टिकरापारा क्षेत्रांतर्गत भाठागांव स्थित न्यू बस स्टैंड पास 02 लड़के अपने पास सूटकेस में गांजा रखें है तथा कहीं जाने की फिराक में है।

अछोली के मृतक युवक के परिवार से मिले भाजपा के नेता,कहा न्याय नहीं मिला तो करेंगे आंदोलन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

छत्तीसगढ़ । देवरीबंगला युवक युवराज सोनकर द्वारा सोमवार को आत्महत्या कर लेने का मामला तुल पकड़ने लगा है। मंगलवार को पीड़ित परिवार से मिलने भाजपा नेता पहुंचे और पीड़ित के माता-पिता, भाई और बहन से मिलकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य होरीलाल ठाकुर, पूर्व जिला पंचायत सभापति अभिषेक शुक्ला, खेरथा मण्डल अध्यक्ष टिनेश्वर बघेल, डौण्डीलोहारा मण्डल अध्यक्ष रूपेश सिन्हा, जनपद उपाध्यक्ष पोषण बनपेला, उपाध्यक्ष रमेश सोनवानी, महामंत्री सुरेश केसरवानी, रामलाल नायक, राधेश्याम देवांगन, टुमन साहू ,हीरेन्द्र गायकवाड़ योगेश शिवना, निरंजन बघेल,यजीत राम भंडारी, बेदराम साहू, नरेंद्र देवांगन सहित भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पीड़ित परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की।

देवलाल ठाकुर ने बताया कि मामले में एसपी बालोद से फोन कर निष्पक्ष जांच कर कार्यवाही का अनुरोध किया। जिस पर एसपी बालोद जितेन्द्र यादव ने कहा है कि जांच टीम की गठन किया

गया है तथा दो चिकित्सकों से पोष्टमार्टम कराकर विडियोग्राफी कराई गई है। मामले की जांच के लिए सीएसपी लेबल पर अधिकारी नियुक्त कर दिया गया है। उन्होने आश्वासन दिया कि जांच के बाद दोषी पाए जाने पर सख्त कार्यवाही का करने की बात कही है।

संदेहास्पद है पुलिस कार्यवाही-

मृतक युवराज की बहन दिनेश्वरी सोनकर ने भाजपा नेताओं को बताया कि पुलिस अधीक्षक से घटना की शिकायत की गई है। लेकिन संजारी चौकी की गतिविधियां संदेहास्पद है। घटना स्थल पर उनसे कोई बयान नहीं लिया गया है। जबकी राजपत्रित अधिकारी सहित पुलिस के आला अधिकारी उपस्थित थे। मृतक के भाई राजू सोनकर ने भी कहा कि भाई का मोबाईल पुलिस के पास जप्त है। जिसमें महत्वपूर्ण सुराग हो सकते हैं। बार-बार संजारी चौकी पैटर्न की जानकारी मांगी जा रही है। उसने कहा उसके भाई के मामले से संबधित युवकों से संजारी चौकी में कोरे कागज पर हस्ताक्षर लिए गए हैं। उसके भाई के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने वाले प्रार्थीयों से उसकी चर्चा हुई है उन्हे प्रायोजित रूप से मामला दर्ज कराया गया है। वे नहीं चाहते थें की कोई मामला दर्ज हो। उनसे पुलिस चौकी में कागजों पर हस्ताक्षर कराए जा रहे हैं। राजू ने कहा कि उसके भाई को जबरन मारपीट के मामले में घंसीटकर पैसे एंठने का काम संजारी चौकी प्रभारी द्वारा किया जा रहा था। संजारी चौकी से जब वह घर आया तो वह बहुत परेशान था और स्वयं पर किसी भी तरह की घटना होने पर संजारी चौकी प्रभारी को जिम्मेदार होने की बात उसने रात में कहा था और सुबह उसकी लाश फांसी पर लटका मिला। उसके पिता पलटूराम ने कहा कि हमें अब इस मामले में न्याय चाहिए अबतक दोषी पुलिसकर्मी पर कार्यवाही नहीं की गई है। जिससे न्याय मिलने पर संदेह हो रहा है। कहीं मामले को दबा तो नहीं दिया जायेगा। उपरोक्त मामले में भाजपा मंडल अध्यक्ष टीनेश्वर बघेल ने कहा कि हम पीड़ित परिवार के साथ हैं।

रामलाल सेंणचा ने दीपोत्सव के अवसर पर अहसाय परिवारों के लिए इक्कीस हजार रूपए की घोषणा

पुष्पांजली टूडे

गुजरात ~ गांधीधाम रामलाल सेणचा ने दीपोउत्सव के अवसर पर श्री आईजी क्षत्रिय सीखी विकास सेवा समिति संस्था के संरक्षक महोदय रामलाल सैणचा गांधीधाम ने दीपोत्सव के अवसर पर 21000 हजार राशी सहयोग की घोषणा की गई। सीरवी समाज के रत्न कहे जाने वाले , गरीबों के महीसा ओर हमेशा समाज के लिए हर क्षेत्र में सेवा के लिए तैयार रहने वाले दानवीर भामाशाह एवं श्री आईजी क्षत्रिय सीरवी विकास सेवा समिति संस्था के संरक्षक रामलाल सेणचा गुजरात गांधीधाम कच्छ वालों की ओर से श्री आईजी क्षत्रिय सीरवी विकास सेवा समिति के माध्यम से दीपावली के शुभ अवसर पर उन अहसाय परिवारों के लिए 21000 रुपये देने की घोषणा की ओर कहा कि हम सबको मिलकर सीरवी समाज के जितने भी प्रतिभाएं हैं उनको को शिक्षा के क्षेत्र में उनको सहयोग के रूप में सहायता प्रदान कर किसी भी क्षेत्र में वंचित ना रहे । समाज का विकास हो । और आने वाले समय मे वो परिवार भी हर क्षेत्र में आगे बढ़कर सक्षम होंगे ।सेंणचा ने बताया की अब तक श्री आईजी क्षत्रिय सीरवी विकास सेवा

समिति की ओर से 240 से ज्यादा परिवार वालों को सहयोग दिया है ।ओर आगे भी जरूरत मंद अहसाय परिवार एंव प्रतिभाओं के लिए समिती की ओर से सहयोग दिया जाएगा। श्री आईजी क्षत्रिय विकास सेवा समिती की ओर से रामलाल सेणचा का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करती हैं आपका सदैव मार्गदर्शन की अपेक्षा करेगी।

अधिक वर्षा से पीड़ितों को लेकर ब्लॉक कांग्रेस ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन।

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद। पिछले दिनों विधानसभा अधिक वर्षा से कई गांव में पानी भरा हुआ है किसानों की फसलें चौपट हो गई, किसानों के खेतों में अभी तक सरसों व अन्य फसलों की बोनी नहीं हो पाई। इन्हीं सब कारणों को लेकर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आशीष गुर्जर के नेतृत्व में एसडीएम शुभम शर्मा को एक ज्ञापन सौंपा गया ज्ञापन के माध्यम से ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि पिछले दिनों हुई हुई अतिवृष्टि से गोहद विधानसभा में असमय जनमानस का बहुत नुकशान हुआ है। जिससे चारों ओर अफरा-तफरी का माहोल बना हुआ है। गोहद विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह जल भराव एवं जल निकासी न होने से लोगों के घरों में एवं आम रास्तों में पानी भरा हुआ है। अतिवृष्टि जलभराव होने से लोगों के मकानों में दरारें आ रही है। अतिवृष्टि होने से ज्वार, बाजरा तिली आदि की फसलें नष्ट होकर किसानों का बहुत बड़ा नुकसान हुआ है। जिससे किशानों पर आजीविका चलाने का काफी संकट है। बैकों द्वारा के.सी.सी. की ऋण बसूली इसी आपातकाल में की जा रही है। अतः महोदय से निवेदन है कि अतिवृष्टि से हुये नुक्शान का सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाया जावे एवं बैंको

की ऋण बसूली स्थगित की जावे। सात दिवस के अन्दर प्रभावी कार्यवाही न होने पर कांग्रेस, पार्टी पीड़ितों के साथ जन आन्दोलन करेगी। ज्ञापन सौंपते समय पार्टी के मुख्य रुप से गणेशराम शर्मा, रामसहाय माहौर, बालकिशन माहौर, बॉबी जर्मन, महेश कौशल, हसीन खान, केदार कौशल, लालबहादुर जादौन, रमजानी खान, राजू गुर्जर, दिनेश गुर्जर, सलीम बक्स राइन, कैलाश माहौर, विजय निगम, राजेन्द्र परिहार, एड. पवन जाटव, रवि कुशवाहा, रामहेत जाटव, देवेंद्र पाठक, कमलेश गुर्जर, देवव्रत चौधरी, प्रमोद शुक्ला, राहुल उपाध्याय, सुजान गुर्जर, फिरोज स्या, राधाकृष्ण दिक्षित, साकिर अली खान, कैलाश जाटव, संजय रावत, बलवीर गुर्जर, रामवेटी जाटव, सरोज बाल्मीक, गौरव कोहली, दीपक श्रीवास्तव, अजीत शर्मा आदि एक सैकड़ा से अधिक लोग उपस्थित थे।

प्री करवा चौथ सेलिब्रेशन और सस्ती लोकप्रियता पाने का भोपाली हथकंडा

हर आयोजन कितना उचित है भाजपा नेत्री और समाजसेवी संगीता गुप्ता गर्ग

परिवेश, पहनावा, परंपराएं हमारे हिंदुस्तान की सभ्यता और संस्कृति है । सिर्फ परिधान ही नही बल्कि हमारी आस्थाऐं ,हमारे संस्कार हमारे रीति-रिवाज हमारे समाज के परिचायक हैं। जिसकी जिम्मेदारी हम स्त्रियों पर है कि हम इन्हें एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक और एक परिवार से दूसरे परिवार तक पहुंचाएं।हिन्दुस्तानी, परंपराएं रीति रिवाज पुरुषों की अपेक्षा स्त्रियों द्वारा एक परिवार से दूसरे परिवार तक एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक सर्वाधिक पहुंचाए जाते हैं । सदैव ही मायके और ससुराल दोनों कुलों की परंपराओं को स्त्रियां संभालती आई हैं और उन्हीं की वजह से आज हमारी संस्कृति में हमारी परंपराओं का इतना महत्व है।

सिर्फ परिधान ही हमारी संस्कृति और संस्कार को व्यक्त नहीं करते अपितु, हमारा व्यवहार ,हमारी संगति ,हमारा आचरण भी हमारे व्यक्तित्व के परिचायक होते हैं। स्वयं पुरुषों को भी अपने ही खानदान, कुल, गोत्र के रीति रिवाज, दूसरे खानदान से आई हुई स्त्रियों द्वारा ही बताए जाते हैं। सभ्यता संस्कृति की रक्षक स्त्रियों से ही समाज अपेक्षा रखता है कि वह इस तरह का आचरण करें कि आने वाली पीढ़ियों के लिए आदर्श स्थापित हों। और अगर वह समाज की अग्रणी महिलाएं हो तो उनसे अपेक्षाएं और भी अधिक हो जाती हैं।

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित महिला समाज सेविका अंशु गुप्ता द्वारा हमारे समाज के सुहागिनों के पर्व करवा चौथ पर नई परंपरा का प्रारंभ प्री करवा चौथ के रूप में किया गया। प्री करवा चौथ कार्यक्रम में राजपूतानी परिधान में महिलाओं द्वारा किए गए इस आयोजन में एक पुरुष की उपस्थिति तब तो समझ में आती जब वह पुरुष उन महिलाओं का पारिवारिक सदस्य होता। किंतु सुहागिनों के पावन पर्व पर हिंदू आस्थाओं पर इससे बहुत ठेस पहुंची कि हिंदू त्योहार पर एक दूसरे समुदाय के पुरुष को आमंत्रित किया गया। और ना सिर्फ आमंत्रित किया गया अपितु परंपराओं के नाम पर जो सरगी सासू मां अथवा बड़ी ननद या जिठानी के हाथों दी जाती है वह सरगी उस गैर समाज के पुरुष के हाथों भाई मान कर

दी गई। वह भी उस समाज के पुरुष जो अपनी बहनों से वैवाहिक संबंध स्थापित कर लेते हैं। हां उनके समाज में यह परंपरा जायज हो सकती है किंतु हिंदू समाज में पराई स्त्री सदैव मां या बहन का स्थान रखती है। हमारी प्राचीन परंपराओं में राजपूतानी स्त्रियां कभी भी पर पुरुष के सामने अपने आप की नुमाइश नहीं करती थीं।आपने उस व्यक्ति को अपना अतिथि बनाया जो हिंदु विरोधी है, जो न सिर्फ कट्टर मुस्लिम है अपितु पाकिस्तान परस्त है। जब हम लव जिहाद जैसी चीजों से अपनी बेटियों को बचाने दिन रात समाज में जागरूकता फैला रहे हैं ,आपके गैर जिम्मेदाराना कार्य से हिंदु महिलाओ में बहुत रोष है ।परिवर्तन का उद्देश्य संस्कारों से खिलवाड़, आस्थाओं का मजाक बनाना नहीं होना चाहिए। करवा चौथ पति पत्नी के रिश्ते को भावनाओं से सुदृढ करता है। परस्पर प्रेम इन रीति-रिवाज के माध्यम से रिश्तों में आता है और इन हिंदु मूल्यों को जो समझते ही नहीं उन्हें इस आयोजन में क्यों होना चाहिए था? आखिर किस मंशा के तहत इस पूरे आयोजन में एक मात्र पुरुष के रूप में उनकी उपस्थिति थी। आपका ये आयोजन लव जिहाद से हिंदू बच्चियों को बचाने के समाज के प्रयास पर विपरीत प्रभाव डालेगा। हमारी सरकारें षड्यंत्र पूर्वक विध्वंस की गई हिंदू संस्कृति को वापस उसी पुराने गौरव और वैभव के साथ स्थापित करने का लगातार प्रयास कर रही हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर, केदारनाथ सौंदर्यीकरण, राम मंदिर स्थापना और हाल ही में उज्जैन के महाकाल लोक का लोकार्पण इसका प्रमाण हैं। यह सभी सरकार द्वारा हिंदू संस्कृति के पुनर्जागरण और सनातन को विश्व में पुनः अपने उसी गौरवमयी रूप में स्थापित करने के प्रयास हैं। और दूसरी तरफ आस्थाओं का इस तरह से मखौल बनाया जा रहा हैं। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं को भी ऐसे आयोजनों से दूरी बनाकर रखनी चाहिए ।अन्यथा उनके परिवार को देखना चाहिए कि समाज जागरण के लिए निकली महिलाए किस तरह के जागरण का भाग हैं।

इससे पहले कि हिंदु समाज द्वाराअपने ही समाज बहन के खिलाफ मोर्चा खोलना पड़े, आयोजन समिति को चाहिए कि वह अपने इस कृत्य के लिए सामने आकर क्षमा मांगे। हम अंशु गुप्ता की इस कृत्य की भर्त्सना करतें हैं।

बिजली विभाग की लापरवाही के कारण हुई मौत पर मुआवजे की मांग

समाज सेवी एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता बाबर कुरैसी ने मुआवजे के लिए जिला प्रशासन से अनुरोध किया

स्टेट हेड आनन्द शाही पुष्पांजली टुडे

झारखंड। हजारीबाग-बडकागांव सिरमा में जशन-ए-ईद मिलादुन्नबी के जुलूस के मौके पर एक बहुत बड़ी घटना घर गई थी जिसमें 6 लोगों को 11 हजार तार के चपेट में आने से घायल हो गए थे जिसमें मौके पर ही एक लड़के की मृत्यु हो गई थी और बाकी का ईलाज राँची में चल रहा है उसमें कई लोग गम्भीर रुप से घायल थे जानकारी के अनुसार उन घायलो में से तीन और लडकों की मृत्यु हो गई ,लेकिन उसकी सुध लेने वाला कोई नही और ना ही किसी पर कोई कारवाई हुई है । बाबर कुरैसी ने आरोप

लगाया की बिजली विभाग की गलती साफ देखी जा सकती हैं,लेकिन अब तक जिला प्रशासन ने कोई कारवाई नहीं की और ना ही उन मृत्यु के परिवार वालों को अब तक कोई मुआवजा मिला है सिर्फ और सिर्फ अभी तक मृत्यु के परिवार वालों को आसवासन ही दिया जा रहा है और सिर्फ फोटो खिचाने की राजनीति चल रही है समाज सेवी सह मानवाधिकार कार्यकर्ता बाबर कुरैसी ने प्रशासन से मांग किया की उन बिजली विभाग के अधिकारियो पर जल्?द से जल्?द कारवाई की जाए और घायलो को पांच पांच लाख और मृतक के परिवार वालों को दस दस लाख का मुआवजा दिया जाए ।

पुलिस थाना पिछोर जिला शिवपुरी पुलिस ने 2 अवैध शराब बेचने वाले तस्कर गिरफ्तार कर भारी मात्रा में अवैध शराब जप्त की व दोनों को भेजा जेल

राकेश परिहार पुष्पांजली टुडे

पिछोर। पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी राजेश कुमार चंदेल , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी प्रवीण कुमार भूरिया के निर्देशन में एवं एसडीओपी महोदय पिछोर दीपक तोमर के मार्गदर्शन में अवैध शराब पकड़ने का अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत थाना प्रभारी पिछोर गब्बर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस थाना पिछोर टीम ने गल्ला मंडी के पास से अवैध शराब बेच रहे रामनिवास बाल्मीक उर्फ चौतरा निवासी बड़ा बाजार पिछोर को 20 क्वार्टर देसी शराब प्लेन व 4.500 लीटर ओपी शराब सहित धारा 34(1),49 (क) आबकारी एक्ट में गिरफ्तार किया। ग्राम कोटरा प्रतीक्षालय के पीछे से अवैध शराब ले जा रहे आरोपी अनिल लोधी निवासी ग्राम

बाचरौन को दो केन में 60 लीटर हाथ भट्ठी की कच्ची शराब जब्त कर व गिरफ्तार कर धारा 34(2)आबकारी एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उन्हें उप जेल पिछोर भेज दिया गया। पुलिस थाना पिछोर की टीम के एएसआई शैलेन्द्र सिंह चौहान, अमर लाल बंजारा, प्रधान आरक्षक अरविन्द यादव, संतोष यादव, राजेश चौबे ,आरक्षक मांगीलाल गुर्जर , रामनाथ रावत, कमल सिंह मांझी ,राघवेंद्र पाल, ब्रजेश राणा की सराहनीय भूमिका रही ।

बिजली के खंबे में करंट फैलने से हुई जानवरो की मौत

रिपोर्टर -ः प्रतिश अग्रवाल

पुष्पांजली टुडे

मधुसुदनगढ़ के गुना रोड पर एक बिजली के खंबे में करंट के प्रभाव से हो रहे है जानवरो की मृत्यु जिस पर बिजली विभाग किसी भी प्रकार से ध्यान नहीं दे रहा है। जबकि वो बिजली का खंभा सदर बाजार में स्थित है जहां से लोगो का आना जाना लगा रहता है। विद्युत विभाग को इस प्रकार की त्रुटि कही घातक नही पड़ जाए। अब तक खंबे के करेंट से 2 कुत्ते और 1 सूअर की मौत हो गई है और बार बार शिकायत करने के बाद नही दे रहा है विद्युत विभाग कोई ध्यान जहां पोल लगा हुआ है वही से छोटे छोटे बच्चे निकल कर जाते है

क्युकी स्कूल से बच्चो का आने जाने का रास्ता भी वही है इसलिए विद्युत विभाग को इस प्रकार की त्रुटि का सुधार करना अतिआवश्यक है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा का भाजपा नेता डॉ विवेक मिश्रा नेतृत्व में दतिया में हुआ जोरदार स्वागत

संदीप प्रधान दैनिक पुष्पांजली टुडे

दतिया। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा अल्प प्रवास पर दतिया पहुंचे जहां पर ग्वालियर झांसी हाईवे सोनागिर पुल के पास भाजपा नेता डॉ विवेक मिश्रा ने उनकी आगवानी की साथ ही भाजपा पदाधिकारीओ और कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा का फूल माला पहनाकर स्वागत किया युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर और नारेबाजी कर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया इसके पश्चात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा दतिया पहुंचे जहां जगह-जगह भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पुष्प माला पहनाकर और पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने मां पीतांबरा पीठ मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की साथ ही भाजपा नेता

डॉ विवेक मिश्रा ने भाजपा महिला मोर्चा युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं का प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा से परिचय कराया इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र बिधौलिया भाजपा जिला

महामंत्री विपिन गोस्वामी डॉ रामजी खरे युवा मोर्चा जिला प्रभारी अतुल भूरे चौधरी जीतू कमरिया जनपद अध्यक्ष बृजेश यादव नगर पालिका अध्यक्ष प्रशांत ढेगुला मंडल अध्यक्ष पंकज गुप्ता मंडल अध्यक्ष रघुवीर कुशवाहा मंडल अध्यक्ष प्रवीण पाठक संतोष कटारे योगेश सक्सैना युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मानसिंह कुशवाह मीडिया प्रभारी परशुराम शर्मा बड़ोनी नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश अहिरवार नीतू यादव गौरव गुप्ता नीरज चौधरी विनोद यादव रवि जाटव टेलु यादव मंगल यादव रामलाल कुशवाह कैलाश बघेल मनोहर फौजी चतुर सिंह पाल यशपाल कानू तिवारी दीपक सोनी शिवा राजा सहित बड़ी संख्या में भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ता स्वागत में मौजूद रहे

मिस्टर,मिस,मिसेज,किड्स एवं ट्रांस -एलिगेंट आइकन ऑफ पुणे 2022(सीजन-1)का हुआ समापन

शिव,आकांक्षा,स्वाति,इरा परवादे रहे विजेता

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

पुणे- शहर के विंड्स फ्लॉवर रिजॉर्ट में रविवार को सौंदर्य प्रतियोगिता एवं फैशन शो का आयोजन ए.के प्रोडक्शन द्वारा करवाया गया।कार्यक्रम में सेलेब्रिटी गेस्ट के रूप में काजल चौहान,आदि सिंह,पीयूष शर्मा,अनुष्का शर्मा,प्रकाश गुप्ता एवं जुरी मेम्बर में शुभम शुक्ला,आलोक अग्रवाल,उपाली छबरा,अभी चौहान आदि मौजूद रहे।वहीं कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में द लोकल कलाकार के फाउंडर गोविंदा उपस्थिति रहे।कार्यक्रम शुरु करने से पहले अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को कई चरणों से गुजरना पड़ा।जिसमें इंट्रोडक्शन राउंड,फंकी राउंड,वॉक राउंड,एथनिक राउंड,प्रशन उत्तर राउंड आदि शामिल हैं।इस प्रतियोगिता में 50 से ज्यादा लोगो ने हिस्सा

लिया।प्रतिभागियों में जिदन्यासा,काव्या, नाज़नीन,मेघना,चेतन,अजय आदि थे।शनिवार को सभी प्रतिभागियों को ट्रेनिंग प्रदान कि गई साथ ही सभी प्रतिभागियों का फोटो शूट्स करवाया गया।ग्रैंड फिनाले रविवार के शाम से शुरू हुई जो की देर रात तक चली।कार्यक्रम में डांस ग्रुप द्वारा शानदार प्रस्तुती भी दी गई।सभी उपस्थित लोगों ने तालियों से उनका स्वागत किया।कार्यक्रम में मीडिया पार्टनर के रूप में द हिन्द टुडे न्यूज सहयोगी रहा।

ये रहे विजेता: मिस्टर कैटेगरी में शिव ठाकरे विजेता रहे।व प्रथम उपविजेता चिराग पोरवाल,द्वितीय

उपविजेता अजय शाह रहे।मिस कैटेगरी में आकांक्षा श्रीखंदे विजेता रहीं।प्रथम उपविजेता मयूरी गढ़वे,द्वितीय उपविजेता अंजली सिंह रही।मिसेज कैटेगरी में स्वाति सुमन विजेता रहीं।वहीं प्रथम उपविजेता अनीता टुडे,द्वितीय उपविजेता मनीषा भगत रहीं।किड्स कैटेगरी में इरा परवादे विजेता रहें।तो वहीं प्रथम उपविजेता राजवर्धन मोगल,द्वितीय उपविजेता औह्रट जगधने रहे।कार्यक्रम के अंत मे आर्यन कुमार दवारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए व सभी का आभार व्यक्त किया गया।मीडिया से बात करते हुए एके प्रोडक्शन के डायरेक्टर आर्यन कुमार जी ने बताया कि जल्द वो सीजन 2 लेके आएंगे और वह अपना कदम सिनेमा इंडस्ट्री में भी बढ़ाने जा रहे हैं।जिसकी शुरुवात वह एल्बम सोंग्स एवं वेब सीरीज से करेंगे।उन्होंने कहा कि हम लोगो के अंदर छुपे हुनर व कला को बाहर निकालने के लिये कार्यक्रम करते हैं।कार्यक्रम की फोटोग्राफी कोमल,मयूर एवं यश द्वारा की गई।

नशा मुक्ति अभियान के तहत होटल ढाबों पर शराब पीने-पिलाने वालों पर गोहद चोराहा पुलिस कि कार्यवाही जारी ।

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वर्तमान में पूरे प्रदेश में नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र चौहान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय कमलेश खरपूसे, एसडीओपी महोदय सौरभ कुमार के निर्देशन में थाना गोहद चौराहा पुलिस द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले होटल ढाबों को लगातार चेक कर शराब पीने तथा पिलाने वालों पर कार्यवाही की जा रही है अभियान की शुरुआत से अभी तक कुल अवैध शराब के 06 प्रकरण दर्ज किए गए सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वाले 06 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई है उक्त कार्यवाही लगातार जारी रहेगी । अभियान के तहत लगातार एक तरफ कार्यवाही की जा रही है तो वही स्कूल कॉलेजों तथा व्यवसायिक संस्थाओं में जाकर लोगों को नशे से दूर रहने की की समझाइश दी जाकर नशामुक्ति की शपथ दिलाई जा रही है ।

युवाओं और किसानों की समस्याओ के लिये लडेगी आम आदमी पार्टी- जयेन्द्र सिंह सोमवंशी

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- शिवपुरी जिले के करैरा एवं नरवर में आम आदमी यूथ विंग के द्वारा मध्यप्रदेश मे फैली बेरोजगारी के विरोध मे *युवा रोजगार संवाद* एवं सदस्यता महाअभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश समिति सदस्य एवं यूथ विंग प्रदेश उपाध्यक्ष जयेन्द्र सिंह सोमवंशी जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। करैरा एवं नरवर में सैकड़ों लोगों ने सोमवंशी जी के समक्ष आम आदमी पार्टी की सदस्यता गृहण की। साथ ही *नरवर में माननीय जयेन्द्र सिंह सोमवंशी जी ने फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया।

सर्वप्रथम करैरा एवं नरवर के कार्यकर्ताओ के द्वारा मुख्य अतिथि जयेन्द्र सिंह सोमवंशी जी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। युवाओं को सम्बोधित करते हुये सोमवंशी जी ने कहा की देश मे युवाओ की हालत बहुत ही बदतर है। मध्यप्रदेश मे युवाओ को नौकरी नही दी जा रही है। युवाओं को रोजगार के नाम पर सरकार द्वारा बड़ी बड़ी घोषणाएं तो की जाती है लेकिन रोजगार नही दिया जा रहा है। किसानों को सम्बोधित करते हुये सोमवंशी जी ने कहा कि क्षेत्र मे अतिवृष्टि के कारण किसानो की फसलों जलमग्न होकर नष्ट गई है। लेकिन सरकार के द्वारा किसी भी प्रकार का कोई मुआवजा नही दिया जा रहा है। फसल बीमा के नाम पर किसानों के खातों से पैसे तो काट लिये जाते हैं लेकिन नुकसान की भरपाई नही की जा रही है। किसान के आँसु पोछने वाला कोई नही है। आम आदमी पार्टी जल्द ही किसानों को मुआवजा दिलाने हेतु उग्र आन्दोलन करेगी।

सोमवंशी जी ने कहा की मध्यप्रदेश मे महंगी शिक्षा होने के बावजूद भी माता पिता अपने खून पसीने की कमाई से बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाते हैं लेकिन युवाओं को डिग्रियां तो दे दी जाती हैं लेकिन नौकरी देने में शासन प्रशासन नाकाम है।

सोमवंशी जी ने कहा कि बेरोजगारी के विरोध में सम्पूर्ण मध्यप्रदेश मे युवाओ मे चिन्गारी भरने हेतु *युवा रोजगार संवाद* का आयोजन किया जायेगा एवं सम्पूर्ण मध्यप्रदेश मे तहसील स्तर पर, जिला स्तर पर और फिर प्रदेश स्तर पर युवाओं के हक के लिये आन्दोलन किये जायेंगे। जल्द ही सम्पूर्ण मध्यप्रदेश मे युवाओ कि आवाज बुलंद की जायेगी। आम आदमी पार्टी युवाओं का शोषण किसी भी सूरत में युवाओ का शोषण नही होने देगी। आम आदमी पार्टी युवाओं के हक के लिये सडकों पर उतरेगी।

कार्यक्रमों मे शिवपुरी जिला अध्यक्ष वीरेंद्र रावत, दतिया जिले के युवा जिला अध्यक्ष भरत सिंह सोलंकी, शिवपुरी जिला उपाध्यक्ष रूद्रप्रताप सिंह सेंगर,जिला सहसचिव दीपक कुशवाह, अंकित धाकड़ यूथ विंग शिवपुरी, करैरा विधानसभा यूथ विंग अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह गौर, राकेश जौनवार, नरवार विधानसभा अध्यक्ष कल्लूराम कुशवाह, भीकम सिंह बघेल, नरेंद्र सोनी, देवेंद्र सोनी, अंशुल सोनी, रामदीन आदिवासी, जीतेंद्र सोलंकी, खेमराज शाक्य, अभय श्रीवास्तव, हिमांशु शर्मा, रामसेवक कोली, देवा गुर्जर, शेलेन्द्र चंदेल, राहुल पांडेय, अजयप्रताप सिंह, राजदीप चौहान, विधानसभा सचिव कमल कुशवाह, रविंद्र रावत, अवसर खान, इंद्रजीत, असलम खान, गोपाल सिंह गुर्जर, वीरू यादव, शिवानी राजपूत, चन्द्रभान गुर्जर, पपला गुर्जर, राजवीर गुर्जर, जालिम रावत, अरविन्द जाटव, अक्षय ठाकुर, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ककरहटी पुलिस ने नशा बंदी की दिलाई शपथ

मनीष पटेल पुष्पांजली टुडे

पन्ना। ककरहटी पुलिस चौकी प्रभारी शुयष पांडे द्वारा लागातार नशा बंदी को लेकर जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है! इसी अभियान को लेकर दिनांक 14/10/2022 को चौकी प्रभारी सुयष पांडेय मय स्टाफ चौकी क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सकरिया पहुचें और लोगों संवाद किया उन्होंने ग्रामवासियों को नशा बंदी के संबंध में शपथ दिलाई एवं साइबर जागरूकता, यातायात नियमों का पालन करने, वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने व शराब पीकर वाहन ना चलाने के संबंध में लोगों को विशेष रूप से जागरूक किया।इस दौरान सकारिया सरपंच,सचिव,पुलिस चौकी ककरहटी के स्टाफ सहित ग्राम वासी उपस्थित रहे

बागेश्वर धाम परम पूज्य पंडित धीरेंद्र प्रसाद महाराज जी का भव्य रुप से स्वागत किया गया

हरिचरण प्रजापति ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

पन्ना। महाराज जी का स्वागत बड़े गांव के पास वेयर हाउस के समीप मनु महाराज जी ने एवं भक्त गणों ने महाराज जी का स्वागत पुष्पमाला एवं पुष्पों की वर्षा एवं डीजे द्वारा संगीत एवं कीर्तन के माध्यम से किया गया एवं बड़े गांव के वेयरहाउस के पास से लेकर के देवेंद्र नगर के नगर परिषद देवेंद्र नगर तक डीजे एवं दोपहिया वाहन के साथ रैली के माध्यम से स्वागत किया गया । एवं देवेंद्र नगर के नगर परिषद चौराहे के सामने जनसैलाब के द्वारा स्वागत बंधन एवं अभिनंदन किया गया। जनसैलाब को देखकर के महाराज श्री श्री 108 बागेश्वर धाम परम पूज्य पंडित धीरेंद्र प्रसाद महाराज जी ने सबको आशीर्वाद दिया एवं भविष्य में राम कथा करने का आश्वासन भी दिया । रामकथा का आश्वासन पा करके देवेंद्र नगर के ग्राम वासियों एवं क्षेत्रवासियों ने बड़ी प्रसन्नता का माहौल बना रहा।

हेलमेट जागरूता अभियान के दौरान यातायात पुलिस द्वारा मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत की गयी कार्यवाही

संभागीय ब्यूरो गौरी शंकर कुशवाहा
पुष्पांजली टुडे

पन्ना। माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर व पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा से प्राप्त निर्देशो के पालन में एंव पुलिस अधीक्षक पन्ना श्री धर्मराज मीणा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमति आरती सिंह के निर्देशन में जिले मे बिना हेलमेट , बिना सीट बेल्ट , शराब पीकर वाहन चालको के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के दौरान लगातार वाहन चैकिंग चालानी कार्यवाही की जा रही है तथा दो पहिया वाहन चालको हेलमेट धारण करने व यातायात नियमो का पालन कर वाहन चलाने हेतु समझाईश दी जा रही है । तथा यातायात नियमो का उल्लघंन करने वाले वाहन चालको के विरूद्ध लगातार चालानी कार्यवाही की जा रही है । यातायात पुलिस के द्वारा दिनांक 14.10.22 को 19 वाहन चालको के विरूद्ध कार्यवाही की जाकर 7750 रूपये समन शुल्क बसूल किया गया जिसमें बिना हेलमेट के 07 चालान एंव ट्रक क्रमांक एमपी.19एच.ए.9035, ट्रक एमपी.09 एचएच.6913 तथा आईसर क्रमांक एमपी.06जी.ए.4151 के वाहन चालको को शराब के नशे में वाहन चलाते पकडा गया । जो वाहनो को जप्त कर चालको के विरूद्ध धारा -185 एम.व्ही.एक्ट का प्रकरण तैयार कर माननीय न्यायालय पेश किये गये जो माननीय न्यायालय द्वारा वाहन चालको का पृथक - पृथक 35000 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया । सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक अमरदास कनारे , सूबेदार संजय सिंह , सउनि. मो.सखी हाशमी, प्र.आर. सुनील पाण्डेय, कमलेश सिंह, आर. उमाशंकर सिंह, नन्दकिशोर , मुकेश सिंह सराहनीय योगदान रहा है ।

पत्रकार उत्पीड़न की घटनाओं को लेकर एसपी से मिला प्रेस क्लब, हजारीबाग का एक प्रतिनिधिमंडल

एस पी ने लिया संज्ञान, थाना को दिया आवश्यक निर्देष

किसी भी हाल में नाइंसाफी नहीं होगी: चोथे मनोज रतन

आनंद कुमार शाही पुष्पांजली टुडे

झारखण्ड। हजारीबाग जिले में लगातार हो रही पत्रकार उत्पीड़न की घटनाओं को लेकर प्रेस क्लब, हजारीबाग का एक प्रतिनिधिमंडल एसपी चोथे मनोज रतन से मिला। एसपी से कोर्रा व गोरहर थाना पुलिस की ओर से पत्रकार के खिलाफ बगैर जांच-पड़ताल किये की गयी एक तरफा कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा गया कि पुलिस पक्षपातपूर्ण कार्रवाई कर रही है। पत्रकार के पक्ष को दरकिनार कर विरोधी पक्ष के आरोप को सत्य मानकर अनुसंधानकर्ता व पर्यवेक्षक ने एक तरफा अनुसंधान व पर्यवेक्षण की कार्रवाई कर परेषान कर रही है। जमीन विवाद से जुड़े मामले को आपराधिक मामला बना दिया जा गया है। इंस्पेक्टर व डीएसपी स्तर से पर्यवेक्षण रिपोर्ट एसपी कार्यालय को देने के बाद अनुसंधानकर्ता पत्रकार और उनके परिवार को गिरफ्तार कर जेल भेजने की धमकी दे रहे हैं। गोरहर और कोर्रा थाना पुलिस ने एक कुख्यात अपराधी की तरह दो पत्रकारों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसपी ने सभी मामलों पर संज्ञान लेते हुए संबंधित थाना प्रभारियों को इस तरह के मामलों में एसपी का पर्यवेक्षण रिपोर्ट व निर्देष मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई करने का निर्देष दिया। एसपी ने कहा कि मेरे संज्ञान में कुछ मामले नहीं आने के कारण इस तरह की कार्रवाई होती है। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे मामले है जिसकी जानकारी नहीं होने के बावजूद मेरे नाम का कुछ कनीय पुलिस अधिकारी इस्तेमाल कर रहे हैं, जो गलत है। प्रतिनिधिमंडल में प्रेस क्लब के अध्यक्ष उमेश प्रताप, सचिव मिथिलेश मिश्रा, संयुक्त सचिव देवनारायण, नवीन सिन्हा, कार्यकारिणी सदस्य बबलू कुमार, शमीम अहमद, जयनारायण आदि शामिल थे।

बदरवास में मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के अंतर्गत माननीय श्री महेंद्र सिंह सिसोदिया जी(पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री म. प्र. शासन) के दिशा निर्देशानुसार बैठक सम्पन्न हुई

अरुण कुशवाह रिपोटर पुष्पांजलि टुडे

कोलारस । विधानसभा क्षेत्र के बदरवास से हैं जहाँ प्रभारी मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया ने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की बैठक के दौरान कोलारस विधायक श्री वीरेंद्र रघुवंशी जी, जिला अध्यक्ष श्री मति नेहा यादव, श्री मति मीरा बाई जनपद पंचायत अध्यक्ष बदरवास, श्री रामवीर सिंह यादव जी (विधायक प्रतिनिधि जनपद पंचायत बदरवास), माननीय छ्श्रह्व श्री महेंद्र सिंह यादव,श्री योगेंद्र सिंह यादव एजवारा, श्री सुमित यादव जी, छ्श्रह्व बदरवास श्री एल. एन. पिप्पल जी एवं सरपंच, सचिव आदि मौजूद रहे ।

शिवपुरी पुलिस का ऑपरेशन प्रहार जारी नशा न करे के लिये लोगों को किया जा रहा है जाकरुक, एवं कच्ची शराब बनाने की सामाग्री सहित 300 लीटर लहान किया नष्ट ।

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी -पुलिस द्वारा नशे के बिरुद्ध चलाये जा रहे प्रहार अभियान के तहत जगह-जगह दबिस देकर अबैध मादक पदार्थ वेचने बालों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है । आज दिनांक को कार्यवाही करते हुये 18 लोगों से 95 लीटर अबैध शराव जप्त कर आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की, इसी क्रम मे कार्यवाही करते हुये थाना सुभाषपुरा ग्राम धौलागढ़ मे दबिस देकर करीब 300 लीटर लहान एवं कच्ची शराब बनाने की सामाग्री नष्ट की । इसके अतिरिक्त दो सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते हुये दो लोगों पर कार्यवाही की एवं चा04 लोगों पर शराब पीकर वाहन चलाने के कारण कार्यवाही की है । शिवपुरी पुलिस द्वारा गांव-गांव, स्कूलों आदि मे जाकर भी लोगों को नशे के दुषप्रभावों के बारे मे जानकारी देकर नशा न करने की सपथ दिलाई जा रही है । आज दिनांक को थाना करैरा द्वारा शासकीय हाई स्कूल करैरा मे, थाना सतनबाड़ा द्वारा सतनबाड़ा कस्वा मे, थाना बैराड़ द्वारा शासकीय स्कूल बैराड़ मे, थाना छर्च द्वारा ग्राम छर्च मे जाकर लोगों से नशा न करने की अपील की एवं उन्हें अपने आसपास लोगों को नशा न करने के लिये प्रेरित करने के लिये बताया ।

मध्य प्रदेश संविदा ठेका श्रमिक कर्मचारी संघ इंटक के आन्दोलन से डरी सरकार - की धारा 144 लागू

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर-मध्य प्रदेश संविदा एवं ठेका श्रमिक कर्मचारी संघ इंटक के प्रदेश अध्यक्ष श्री एल.के.दुबे के द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि विद्युत कर्मचारियों की जायज मांगो को लेकर संगठन का आन्दोलन कार्यक्रम दिनांक 27सितम्बर 2022 से 15 अक्टूबर 2022 तक निर्धारित था जिसमें 27 सितम्बर 2022 से 10 अक्टूबर 2022 तक मध्य प्रदेश के समस्त जिलाधीश महोदय को माननीय मुख्य मंत्री जी ,माननीय ऊर्जा मंत्री जी के नाम ज्ञापन दिया गया आगामी 15 अक्टूबर 2022 को रोशनीघर परिसर ग्वालियर में शान्ती पूर्ण ढंग से धरना प्रदर्शन ततपश्चात पैदल मार्च करते हुए माननीय ऊर्जा मंत्री जी को रेसकोर्स रोड 38 नम्बर बंगला ग्वालियर पर ज्ञापन सौपा जाना निर्धारित था 7 परन्तु जिलाधीश महोदय ग्वालियर द्वारा आदेश क्रमांक क्यू/स्टेनो /एडीएम/ 772/2022 ग्वालियर दिनांक 13-10-2022 के द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लागा दी गई है 7 जबकी संगठन द्वारा पत्र क्रमांक 82 दिनांक 26-09-2022 द्वारा श्रीमान जिलाधीश महोदय एवं श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय ग्वालियर को दिनांक 15 अक्टूबर 2022 को होने वाली गांधीवादी विचार धारा के अनुसार पैदल मार्च की विधिवत जानकारी देकर संम्बंधित कार्यालयों से दिनांक 28 सितम्बर 2022 को ही प्राप्ती प्राप्त कर ली गई थी 7 कृपया अवगत हो की आज तक किसी भी व्ही व्ही आई.पी मूमेंट होने पर धारा 144 नही लागाई गई परन्तु विद्युत कर्मचारियों की एकजुटता को देख कर केवल कर्मचारियों की बुलंद आवाज को ही केन्द्रित करते हुए शासन प्रशान द्वारा दमनकारी नीति अपना कर कर्मचारियों की आवाज को दबाना मध्य प्रदेश सरकार की कर्मचारी विरोधी मंशा को प्रदर्शित करता है 7 विद्युत कमेपनियों मे कार्यरत सर्वाधिक शोषित पीडित उपेक्षित वंचित कर्मचारी वर्ग केवल संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारी है जिनका शोषण प्रदेश सरकार द्वारा ही किया जारहा है और साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा ही पीडित विद्युत कर्मचारियों को अपनी जायज मांगो को लेकर पीड़ा व्यक्त करने का अधिकार भी नही दिया जारहा है जो कि न्यायोचित नही है तथा कर्मचारियों के मौलिक अधिकार का हनन तथा सीधे तौर पर लोकतंत्र की हत्या है 7 संगठन का प्रदेश सरकार शासन प्रशासन से स्पष्ट रूप ये सवाल है कि माननीय केन्द्रीय गृह मंत्री जी भारत सरकार के होने वाले कार्यक्रम में धारा 144 का उलंघन नही होगा गांधीवादी विचारधारा के अनुसार कर्मचारी हित की आवाज को बुलंद करना धारा 144 के उलंघन की श्रेणी में आता है लोकतंत्र में कार्मचारियों की आवाज को दबाकर प्रशासन द्वारा दमनकारी नीति अपनाना प्रदेश सरकार को उचित प्रतीत होता है? इस तरह संगठन की आवाज को दवाया जायेगा तो संगठन कड़े कदम कदम उठाने के लिए प्रतिबध्द रहेगा जिसका उत्तरदायी शासन प्रशासन रहेगा 7 मध्य प्रदेश संविदा एवं ठेका श्रमिक कर्मचारी संघ इंटक इन सब के बावजूद भी जारी जिलाधीशा महोदय के आदेश का सम्मान करते हुए आगामी 15 अक्टूबर 2022 का निर्धारित कार्यक्रम स्थगित करता है 7

तहसील का लिपिक रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार

सागर लोकायुक्त टीम ने चंदला तहसील में की

संभागीय ब्यूरो गौरी शंकर कुशवाहा पुष्पांजली टुडे

छतरपुर - चंदला तहसील में लोकायुक्त का छापा,3500 रुपये की रिश्वत लेते हुए लिपिक गिरफ्तार,बीपीएल कार्ड बनवाने के नाम पर मांगे थे लिपिक ने 5 हज़ार रुपये,साढ़े चार हज़ार में डील हुई थी तय,आवेदक कमलेश कुशवाहा ने लोकायुक्त से की थी शिकायत,सागर लोकायुक्त की टीम ने बछौन सर्किल प्रभारी लिपिक को रंगे हाथों रिश्वत लेते किया गिरफ्तार,नारायण अहिरवार नामक लिपिक पहले ले चुका था एक हज़ार रुपये,बाकी के साढ़े तीन हज़ार रुपये लेते समय लोकायुक्त ने दबोचा!

अन्तर्राष्ट्रीय हाथ धुलाई दिवस : राष्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्यालय द्वारा कार्यशाला आयोजित

ग्वालियर। कोविड- 19 महामारी के दो वर्ष ने सभी लोगों को हाथ की सुरक्षा से स्वास्थ्य की सुरक्षा को अच्छी तरह से सीखा दिया है। हाथ धुलाई का महत्व कोरोना संकटकाल में सभी ने देखा। हमारा हाथ मुँह के साथ सम्पर्क में आकर कई प्रकार की बीमारियों को मानव शरीर में प्रवेशित कर सकता है। हाथ हमेशा साफ पानी से धोकर ही भोजन करने की परंपरा हमारे पूर्वज हमें विरासत में देते हैं। गंदे हाथ से कई बीमारियाँ जो काफी घातक हैं जिनसे बचने के लिये बिना हाथ धोकर भोजन नहीं करना चाहिये। जिसके लिये हम सब अपने अमूल्य जीवन को सुरक्षित रख सकते हैं। यह बात अन्तर्राष्ट्रीय हाथ धुलाई दिवस पर डॉ. रस्तोगी ने कही। माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महाविद्यालय एवं गोद ग्राम बस्ती में जाकर अन्तर्राष्ट्रीय हाथ धुलाई दिवस का कार्यक्रम किया गया। विश्व हाथ धुलाई कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. संजय रस्तोगी, पूर्व जिला संगठक रासेयो डॉ. मनोज चतुर्वेदी, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार पाण्डेय, एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास शुक्ला उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में छह विभिन्न चरणों के द्वारा हाथ धोने का तरीका बताया गया।

डॉ. रस्तोगी ने कहा कि हाथ धोने की बात बहुत छोटी है पर इसकी महत्ता बहुत हैं। अब जरूरी है कि हम बच्चों की आदत में इसे शामिल करा सकें। यह चुनौती है और हकक्म सबके सामने है। हमें अब ऐसे तरीके ईजाद करने होंगे कि गाँव गाँव के मजरे टोलों तक के बच्चों में भोजन से पहले और शौच के बाद साबुन से अच्छी तरह हाथ धोने की प्रवृत्ति बन सके। इससे इनकी मौतों का सिलसिला रोका जा सकता हैए वहीं बच्चों के स्वास्थ्य में भी इससे गुणात्मक सुधार हो सकता है। यह कार्यक्रम विश्व हाथ धुलाई दिवस के पूर्व संध्या पर आयोजित किया गया ।

एयरपोर्ट विस्तार के शिलान्यास समारोह की तैयारियाँ अंतिम चरण में

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट एवं ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री शर्मा के साथ लिया तैयारियों का जायजा

ग्वालियर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में 16 अक्टूबर को प्रस्तावित एयरपोर्ट विस्तार के शिलान्यास समारोह की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। शुक्रवार को जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट और ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री वी डी शर्मा के साथ मेला परिसर पहुँचकर समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह एयरपोर्ट के शिलान्यास के साथ-साथ प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के हितग्राहियों को गृह प्रवेश करायेंगे। साथ ही जल-जीवन मिशन के तहत नल-जल योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास भी करेंगे। इसके अलावा विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप सहायता भी वितरित करेंगे। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मुकेश चौधरी, भाजपा जिला अध्यक्ष शहर श्री अभय चौधरी व ग्रामीण श्री कौशल शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे। समारोह की तैयारियों का जायजा लेने के बाद प्रभारी मंत्री श्री सिलावट एवं ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिये आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री द्वय ने कहा कि सभी तैयारियों को इस प्रकार से अंतिम रूप दें, जिससे सभा स्थल पर आने वाले हितग्राहियों एवं आम नागरिकों को कोई तकलीफ न हो। साथ ही शहर की यातायात व्यवस्था भी बाधित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर पेयजल इत्यादि की पुख्ता व्यवस्था करने पर बल दिया। इस अवसर पर संभाग आयुक्त श्री दीपक सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री डी श्रीनिवास वर्मा, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के ओएसडी श्री पुरूषोत्तम पाराशर, अपर कलेक्टर श्री इच्छित गढ़पाले व श्री एच बी शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगांकी डेका, एयरपोर्ट के निदेशक श्री अजय श्रीवास्तव तथा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

सरकार का लक्ष्य कोई भी पात्र हितग्राही छूटे नहीं : श्री भारत सिंह कुशवाह

वार्ड 65 के अंतर्गत अजयपुर में लगा मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत मेगा शिविर

410 आवेदनों में से लगभग 250 आवेदनों का मौके पर ही हुआ निराकरण

ग्वालियर। राज्य एवं केन्द्र सरकार की हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ एक-एक हितग्राही तक पहुंचाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के रूप में अब तक का सबसे बडा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 33 योजनाओं के सभी पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इसी उददेश्य के साथ यह अभियान शुरू किया है। यह बात उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने कही। श्री कुशवाह शहर के वार्ड-65 के अंतर्गत अजयपुर मे आयोजित हुए मेगा शिविर में पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र एवं हितलाभ वितरित कर रहे थे। नगर निगम के क्षेत्रीय कार्यालय 24 के अंतर्गत वार्ड 65 ग्राम अजयपुर में आयोजित इस मेगा शिविर में 410 अवेदन हितग्राहियों द्वारा दिए गए जिसमें से लगभग 250 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने निर्देश दिए कि शेष आवेदनों का निराकरण भी निर्धारित समय-सीमा में कर दिया जाए। इसकी सूचना संबंधित आवेदकों को देकर हितलाभ भी समय से उपलब्ध करा दिए जाएँ। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती गीता भूपेन्द्र सिंह, एसडीएम श्री विनोद सिंह, अपर आयुक्त नगर निगम श्री मुकुल गुप्ता व उपायुक्त डॉ. अतिबल सिंह यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। मेगा कैम्प को संबोधित करते हुए उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि वार्ड 65 काफी बडा वार्ड है इसलिए इस वार्ड में 3 स्थानों अजयपुर, वीरपुर एवं गिरवाई में कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जिससे नागरिकों को परेशानी न हो। श्री कुशवाह ने कहा कि अजयपुर में उप स्वास्थ्य केन्द्र भी शीघ्र बनेगा और चांदबाडी पहाडी पर आंगनबाडी केन्द्र भी बनेगा, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को काफी सुविधा होगी। वार्ड 65 में 19 अक्टूबर, गिरवाई में 20 अक्टूबर, वार्ड 61 खुरैरी में 22 अक्टूबर, वार्ड 65 वीरपुर में 27 अक्टूबर को मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के तहत शिविर लगेंगे। इसी तरह वार्ड 64 पुरानी छावनी में भी मैगा कैम्प का आयोजन किया जाएगा।

पुलिस और डाक कर्मचारी आधारकार्ड के लोगों को तलाशने में जुटे

ग्वालियर। ग्वालियर में रेलवे लाइन के पास आधा सैकड़ा से ज्यादा लावारिस हालात में आधार कार्ड पड़े हुए मिले हैं। आधार कार्ड पड़े होने की सूचना मिल में काम करने वाले एक कर्मचारी ने पुलिस को दी थी। सूचना लगते ही पुलिस मौके पर जा पहुंची आधार कार्ड इस सुनसान इलाके में कौन व्यक्ति फेंक कर चला गया है। इसका पता नहीं चल है पुलिस ने आधार कार्डों को जप्त कर उन पर दिए हुए नाम और पते के आधार पर उन पतों पर जाकर लोगों से पूछताछ कर रही है। वही पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी भी खंगाल रही है जिससे यह पता चल सके कि आधार कार्ड फैकने वाला व्यक्ति कौन था।

मामला ग्वालियर के हजीरा थाना क्षेत्र के बिरला नगर प्लेटफार्म पटरी के नजदीक स्थित सैयद बाबा की दरगाह के पास मिल में काम करने वाले एक कर्मचारी को बुधवार गुरुवार रात के दरमियान पॉलिथीन में भरे पड़े आधार कार्ड मिले थे। आधार कार्ड की संख्या ज्यादा थी इसलिए कर्मचारी ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना लगते ही थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर जा पहुंचा पुलिस ने जब पॉलिथीन खोलकर देखा तो उसमें आधार कार्ड काफी संख्या थे पुलिस ने जब उनकी गिनती की तो करीब 85 आधार कार्ड निकले। पुलिस को पहले लगा कि यह आधार कार्ड पोस्ट ऑफिस के माध्यम से डिलीवर होने के लिए निकले होंगे। लेकिन ऐसा नहीं था यह आधार कार्ड यहां फेंके गए हैं या गिरे है इसका पता अभी नहीं चल सका है। जिसकी सूचना पुलिस ने मुरार के पोस्ट ऑफिस के अधिकारियों को दी थी सूचना मिलने पर पोस्ट विभाग के कुछ कर्मचारी मौके पर पहुंचे थे जहां पोस्ट विभाग के कर्मचारी यह पड़ताल कर रहे हैं कि यह आधार कार्ड कहां से डिलेवर होने के लिए जारी हुए थे। साथी ही पुलिस थाने की एक टीम आधार कार्ड पर दिए गए पते नाम और फोटो के आधार पर उन पदों पर जाकर लोगों से पूछताछ कर रही है वहीं पुलिस रेलवे पटरी के पास लगे सीसीटीवी लगा रही है जिससे यह पता चल सके कि यह आधार कार्ड किस व्यक्ति ने फैके है या गिरे हैं।

पुलिस टीम भी आधार कार्ड के लोगों की जानकारी जुटा रही है

हजीरा थाने के सीएसपी रवि भदौरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि एक व्यक्ति द्वारा सूचना दी गई थी कि रेलवे पटरी के नजदीक एक पॉलिथीन में काफी संख्या में आधार कार्ड भरे पड़े हुए हैं। व्यक्ति की सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा था जहां 85 आधार कार्ड पॉलिथीन में मिले हैं। कमलेश की जानकारी डाक विभाग के अधिकारियों को दी थी यार वहां के कर्मचारी मौके पर पहुंचे थे वह पता लगा रहे हैं कि यह आधार कार्ड कहां डिलीवरी होने के लिए जारी हुए थे साथ ही पुलिस की एक टीम आधार पर दिए गए नाम पते के आधार पर उन लोगों की तलाश कर रही है।

विधायक डा. सिकरवार के नेतृत्व में चला सफाई अभियान

ग्वालियर। ग्वालियर पूर्व विधानसभा में वार्ड क्रमांक 56 के विजय नगर आमखो क्षेत्र में आज विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान नालियां साफ कराई गई और जगह-जगह लगे कचरे के ढेर उठवाये गये। सफाई अभियान में पांच ट्रॉली मलवा उठवाया गया। क्षेत्र के नागरिकों ने विधायक डॉ सिकरवार का इस दौरान पुष्पहारों से स्वागत किया।

डा. सिकरवार ने कहा कि सफाई अभियान में आप सब सहयोग करें और कचरा सड़कों पर न डाले। सफाई अभियान में मेयर इन कॉउंसिल के प्रभारी अवधेश कौरव, सुरेन्द्र यादव, पार्षद सुरेन्द्र साहू, दिनेश पाराशर, हिमांशु कीकन, रामू बौहरे, राजेन्द्र राठी, आशुतोष शर्मा, सोनू गौर एवं कांग्रेस पार्टी देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मिलावटी मावे के संदेह पर कार्रवाई, ग्वालियर में 20 डलिया मावा जब्त कर सैंपल जांच के लिए भेजे

ग्वालियर। त्योहारों के नजदीक आते ही मिलावटखोर सक्रिय हो गए हैं। इसे देखते हुए ग्वालियर में खाद्य विभाग ने ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। फूड डिपार्टमेंट के अफसरों ने महाराज बाड़े पर स्थित मोर बाजार में मिलावटी मावे की बड़ी खेप बाजार में खपाने के लिए पहुंची है। खाद्य विभाग ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 20 डलिया मावे जब्त कर खाद्य विभाग ने मिलावटी मावे की आशंका पर मावे के सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दी है।

बता दें कि खाद्य विभाग के अधिकारी लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। जहां शहर की डेयरिया, नमकीन, मिठाइयां और अन्य प्रकार के खाद्य पदार्थ बनाकर बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई कर सैंपल लेकर जांच के लिए भेज जा रहे हैं। क्योंकि त्योहारों के पास आते ही खाद्य पदार्थ बनाने वाले खाने पीने की चीजों में मिलावट करना शुरू कर देते हैं। जिससे लोगों को कई तरह की बीमारियां हो जाती है।

पूछताछ करने पर संतोष जैन उदय सिंगल और सत्य प्रताप यादव मावे की डालियों के मालिक बताए गए हैं। फिलहाल तीनों ही मालिक मौके पर नहीं मिले हैं। फिलहाल खाद्य विभाग यही पता लगा रही है कि यह मावा कहां से बनकर ग्वालियर सप्लाई होने आया था।

कार्रवाई की जा रही है : खाद सुरक्षा अधिकारी लोकेंद्र सिंह ने बताया कि त्योहारों के नजदीक आते ही मिलावट करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मुखबिर से सूचना मिली थी कि भारी मात्रा में मिलावटी मावा खपाने के लिए आया है। जिस पर कार्रवाई करते हुए मावे की 20 डलिया मावे की जब्त कर सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए हैं।

खुद पर भरोसा करें, जीवन में सफल होने सीखें निर्णय लेना : मुनिश्री

शातिनाथ विधान के मढ़ने पर श्राद्ध भक्ति से साथ अर्घ्य समर्पित करें

मुनिश्री के सानिध्य में 16 दिवसीय 16 मण्डलीय श्री शातिनाथ महामंडल विधान चल रहा है

ग्वालियर। जीवन में दूसरे के सामर्थ्य से निर्णय मत लेना,खुद पर भरोसा करना। दूसरे का पुण्य और पाप नहीं देखना। जीवन में किसी भी क्षेत्र में सफल होना है तो दूसरे के अनुभव से निर्णय मत लेना, निज के अनुभव से लेना। बलहीन और पुण्यहीन लोगों को देखकर अपने पुण्य पाप का निर्णय मत लेना। यदि भाग्य बनाना है तो देव,धर्म और गुरु के चरणों को मत छोड़ना। यह बात श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने साधनामय बर्षयोग समिति एवं मुख्य संयोजक मनोज जैन, जैन कालेज के संयुक्त तत्वावधान में आज शुक्रवार को सोलह दिवसीय शातिनाथ महामंडल विधान में माधवगंज स्थित चातुर्मास स्थल अशियाना भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही।

भक्ति श्रद्धा के साथ चढ़ाये महाअर्घ्य

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि श्री शातिनाथ महामंडल विधान में श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने मंत्र का उच्चारण कर श्रावकों ने पीले वस्त्र व मुकुट पहनकर भगवान आदिनाथ का जलअभिषेक जयघोष के साथ किए। मुनिश्री ने मंत्रो का उच्चारण कर शातिधारा सरोज बोहरा परिवार ने की। भगवान कीमहा आरती संगीतमय भक्ति के साथ दीपकों से उतारी। वही विधानचार्य ज्योतिचार्य हुकुमचंद जैन ने शांतिनाथ महामंडल विधान में ऋद्धि सिद्धि महाकाव्यों मंत्रों के उच्चारण के साथ श्रद्धालुओं ने अष्टद्रव्य से पूजन कर सगीतमय भजनों के भक्तिमय स्वरों के साथ भगवान आदिनाथ के समक्ष शांतिनाथ विधान के मढ़ने पर श्राद्ध भक्ति से साथ समर्पित करें।

डबल मर्डर का आरोपी गिरफ्तार

इनामी बदमाश त्यौहार पर ग्वालियर में घर आया था, पुलिस ने दबोचा

ग्वालियर। ग्वालियर में वारदात को अंजाम देने के लिए कट्टा लेकर आए एक युवक को क्राइम ब्रांच व मुरार थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बड़ागांव हाइवे स्थित एक ढाबे से पकड़ा है। पकड़े गए आरोपी से क्राइम ब्रांच ने पूछताछ की तो पता चला कि वह डबल मर्डर का आरोपी है। उस पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एएसपी क्राइम ब्रांच राजेश डंडोतिया ने बताया कि सूचना मिली थी कि मुरार के बड़ागांव हाइवे स्थित चार भाई के ढाबे पर वारदात को अंजाम देने आया है। इस पर क्राइम ब्रांच व मुरार थाना प्रभारी को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। जिस पर क्राइम ब्रांच व मुरार थाना पुलिस ने आरोपी को पकड़ा। उससे कट्टा सहित जिन्दा कारतूस बरामद किए।आरोपी ने अपना नाम रुस्तम सिंह गुर्जर पुत्र सोबरन सिंह गुर्जर निवासी मुरैना बताया।सख्ती से पूछताछ करने पर पता चला कि वह डबल मर्डर का आरोपी है। मुरैना पुलिस ने 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। फिलहाल, उसके खिलाफ मामला दर्ज कर कर मुरैना पुलिस से उसके रिकॉर्ड की जानकारी मांगी है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478